Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 259
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 25 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 किसानों को सभी मानदंडों को दरकिनार करते...

4 आखिर कौन कर रहा है सांप्रदायिक तनाव...

7 अभिषेक का हो सकते हैं वनडे डेब्यू, ...

नवरात्रि का चौथा दिन

मां कूष्मांडा

नवरात्रि के चौथे मां कूष्मांडा की पूजा की जाएगी. कहते हैं जब संसार में चारों ओर अंधियारा छाया था, तब मां कूष्मांडा ने ही अपनी मधुर मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की थी. इन्हें सौरमंडल की अधिष्ठात्री देवी मानी जाता है. मान्यता है कि नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा करने वालों को रोग और दोषों से मुक्ति मिलती है. कहते हैं मां कूष्मांडा जिस पर प्रसन्न हो जाएं उसे अष्ट सिद्धियां और निधियां प्राप्त हो जाती हैं.

मां कूष्मांडा की पूजा विधि

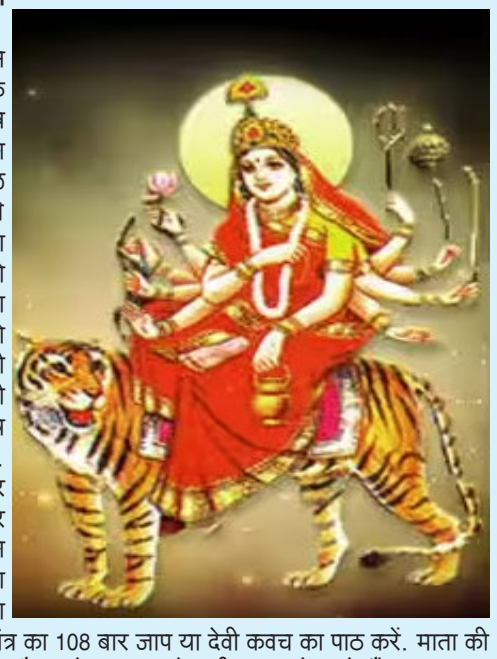

नवरात्रि के चौथे दिन प्रातः स्नान आदि के बाद हरे रंग के वस्त्र पहने. इस दिन कुम्हड़े की बलि देकर माता को अर्पित करना चाहिए. कुम्हड़ा वो फल है जिससे पेठा बनता है. माता को मेहंदी, चंदन, हरी चूड़ी, चढ़ाएं. देवी कूष्मांडा का प्रिय भोग मालपुआ है. लंबे वक्त से अगर कोई घर में बीमार है या आए दिन बीमारियों का डेरा रहता है तो माता कूष्मांडा के बीज मंत्र का 108 बार जाप या देवी कवच का पाठ करें. माता की कथा सुनें. मान्यता है इससे असाध्य रोग भी खत्म हो जाते हैं.

मां कूष्मांडा का प्रिय भोग - मालपुआ
मां कूष्मांडा का प्रिय रंग - हरा

मां कूष्मांडा के उपाय

जानकारों के अनुसार देवी के इस स्वरूप की उपासना से कुंडली में बुध ग्रह से संबंधित दोष दूर किए जा सकते हैं. मां कूष्मांडा की पूजा वाले दिन बुध के अशुभ प्रभाव से पीड़ित व्यक्ति के उम्र जितनी हरि इलाइची लें और फिर एक-एक कर ये इलाइची मां के चरणों में चढ़ाते जाएं. इस दौरान ये मंत्र बोलें 'ॐ बुं बुधाय नमः'. अगले दिन सारी इलाइची को एकत्र करके हरे कपड़े में बांधकर सुरक्षित रख लें. मान्यता है इससे वाणी और बुद्धि में निखार आता है और स्वास्थ्य लाभ मिलता है.

मां कूष्मांडा मंत्र

कुष्मांडाः ऐं ह्री देव्यै नमः
वन्दे वांछित कामर्थे चन्द्रार्घकृत शेखराम्। सिंहरूढ़ा अष्टभुजा कूष्माण्डा यशस्वनीम्
ॐ कूष्माण्डायै नमः
सुरासम्पूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च। दधाना हस्तपद्माभ्यां कुष्मांडा शुभदास्तु मे।

मोदी कैबिनेट के फैसलों ने बिहार में बाजी पलट दी, रेलवे

हाईवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी, रेलकर्मियों को 78 दिन का बोनस

केंद्रीय मंत्रिमंडल के लिए गए फैसले केवल बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में बड़े कदम नहीं हैं, बल्कि इनके निहितार्थ सीधे-सीधे राजनीति और चुनावी समीकरणों से भी जुड़े हुए हैं। विशेषकर बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए इन निर्णयों का खासा महत्व है।

कैबिनेट के फसलों में बिहार के दो बड़े प्रोजेक्ट भी हैं। इनमें बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेलवे लाइन के दोहरीकरण की मंजूरी और साहेबगंज-अरेराज-बेतिया खंड को चार लेन का बनाने का प्रस्ताव है। रेलवे परियोजना से नालंदा, राजगीर और गया-नवादा जैसे आकांक्षी जिलों को सीधी राहत मिलेगी। ये वे क्षेत्र हैं जहां विकास की कमी लंबे समय से एक चुनावी मुद्दा रही है। धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों तक तेज़ और सुविधाजनक रेल पहुंच न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाएगी बल्कि स्थानीय रोजगार व स्वरोजगार के अवसर भी खोलेगी। इससे ग्रामीण बिहार का वह तबका प्रभावित होगा, जो परंपरागत

रूप से रेलवे से अपनी आजीविका जोड़कर देखता है।

सड़क परियोजना की बात करें तो एनएच-139डब्ल्यू को चार लेन का बनाने का निर्णय उत्तर बिहार की जीवनरेखा साबित हो सकता है। चंपारण, गोपालगंज और सीवान जैसे जिलों में यह निवेश सीधे-सीधे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि उत्पादों की बाज़ार तक पहुंच और सीमा पार व्यापार को प्रभावित करेगा। यह वही इलाका है, जहां भाजपा और एनडीए गठबंधन की चुनावी पकड़ बनाए रखना चुनौतीपूर्ण रहा है। नई सड़क से यात्रा समय में भारी कमी, पर्यटन सर्किट को प्रोत्साहन और लाखों रोजगार सृजन का वादा चुनावी भाषा में 'विकास की गारंटी' के रूप में पेश किया जाएगा।

इसके अलावा, रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों का उत्पादकता से जुड़ा बोनस मंजूर करना भी राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम है। हम आपको बता दें कि बिहार रेलवे कर्मचारियों का बड़ा केंद्र रहा है और उनका सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव काफ़ी व्यापक है। त्योहारी सीजन से ठीक पहले बोनस की घोषणा भाजपा-एनडीए के लिए 'गुडविल फैक्टर' बन सकती है।

इसके अलावा, जहाज निर्माण और समुद्री क्षेत्र में 69,725 करोड़ रुपये के निवेश का फैसला बिहार से सीधे तौर पर न जुड़ते हुए भी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की 'बुनियादी ढांचा निर्माता' वाली छवि को मजबूत करेगा। यह पैकेज भारत की भू-रणनीतिक शक्ति को भी रेखांकित करता है और उद्योगपति वर्ग से लेकर रोजगार तलाशने वाले युवाओं तक, सबके लिए एक सकारात्मक संदेश देता है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो इन फैसलों का समय बेहद महत्वपूर्ण है। बिहार चुनाव से पहले यह संदेश देना कि केंद्र सरकार न सिर्फ़ राज्य के लिए बल्कि पूरे देश के लिए बड़े-बड़े फैसले ले रही है, भाजपा के चुनावी अभियान का मुख्य आधार बनेगा। नीतीश कुमार की जदयू और अन्य सहयोगी दलों के लिए भी ये घोषणाएं वोटरों के बीच ठोस काम दिखाने का अवसर प्रदान करती हैं। बुनियादी ढांचे की दृष्टि से ये निर्णय लंबे समय में लाभकारी होंगे। रेलवे और सड़क परियोजनाएं रसद लागत घटाएंगी, पर्यावरणीय लाभ देंगी।

लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाने की मांग हुई हिंसक, सोनम वांगचुक ने खत्म की 15 दिन पुरानी भूख हड़ताल

सोनम वांगचुक ने बुधवार को लद्दाख में हिंसा के बीच अपनी 15 दिनों की भूख हड़ताल समाप्त कर दी। वह लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर धरना दे रहे थे। हालाँकि, इस आंदोलन ने तब हिंसक रूप ले लिया जब बड़ी संख्या में लोग लेह में सड़कों पर उतर आए

और आगजनी और तोड़फोड़ की। आसमान में धुएँ और आग की लपटों का घना गुबार छा गया। लद्दाख एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा ने 10 सितंबर से 35 दिनों की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की हालत मंगलवार शाम बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। कई युवाओं ने भाजपा और हिल काउंसिल के मुख्यालय पर पथराव किया।

राहुल गांधी बोले- मेरा होइड्रोजन बम आना बाकी है; पटना में कहा- अब मेरी गारंटी है यह

पटना। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एलान किया है कि उन्होंने जिस हाइड्रोजन बम की बात कही थी, वह आया नहीं है। आने वाला है। जिस दिन आएगा, सभी को सच्चाई का पता चल जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान को खत्म करना चाहती है। मैं भागीदारी के हिसाब से हिस्सेदारी के लिए गारंटी देता हूं। यह मेरी गारंटी है। क्योंकि, हम संविधान मानते हैं।

राहुल गांधी ने पटना में कांग्रेस कार्यसमिति की विस्तारित बैठक के बाद

विपक्षी गठबंधन के नेताओं के साथ मंच साझा करते हुए मीडिया से बात की। उन्होंने कहा- 'हमारा लक्ष्य है कि जिसकी जितनी भागीदारी है, उसे उतनी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। मुझे आप बताइए पिछले 20 साल से नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए की सरकार है, लेकिन अति पिछड़ों के लिए यह सब काम उन्होंने क्यों नहीं किया? उन्होंने नगर निकाय में आपके आरक्षण सीमा को क्यों नहीं बढ़ाया? सरकारी ठेकों में आपको आरक्षण क्यों नहीं दिया? एनडीए सरकार वाले पिछले 20 साल से आपको यूज कर रहे थे, गुमराह कर रहे थे। लेकिन, आपके हित में नहीं सोच रहे थे। हमने जो आज घोषणा की है, उसकी मैं गारंटी देता हूं और यह मेरी गारंटी है। संविधान में लिखा है और ऐसा हम इसलिए करेंगे क्योंकि हम इस देश के संविधान को मानते हैं।

'जिला न्यायालयों में पांच हजार पद खाली', सुप्रीम कोर्ट से की गई न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में जिला न्यायालयों में रिक्त पदों पर भर्ती किए जाने का मुद्दा उठा है। शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के समक्ष दायर याचिका में कहा गया कि देश भर में जिला न्यायपालिका में जिला न्यायाधीशों के करीब पांच हजार पद अभी भी रिक्त हैं। जबकि 25,870 स्वीकृत पद हैं। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ से मांग की गई है कि न्यायिक अधिकारियों के बार और बेंच में बिताए गए अनुभव को ध्यान में रखा जाए। ताकि वे बार कोटे के तहत जिला न्यायाधीशों के पद के लिए परीक्षा दे सकें।

कोर्ट की संविधान पीठ में न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति एससी शर्मा और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन शामिल हैं। पीठ ने सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या ऐसे न्यायिक अधिकारी जिन्होंने पीठ में शामिल होने से पहले अधिवक्ता के रूप में सात वर्ष का अभ्यास पूरा कर लिया है, को बार के सदस्यों के लिए निर्धारित रिक्तियों पर जिला न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने विधि एवं न्याय मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला दिया।

ईसीआई का बड़ा ऐलान

जम्मू-कश्मीर को मिली राहत, 2021 से खाली 4 राज्यसभा सीटों पर 24 अक्टूबर को मतदान

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को घोषणा की कि 2021 से रिक्त पड़ी जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 24 अक्टूबर को होंगे। मतगणना उसी दिन शाम को, मतदान समाप्त होने के एक घंटे बाद होगी। जम्मू-कश्मीर की चार सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने के लगभग एक साल बाद हो रहे हैं।

ये सीट 2021 से रिक्त हैं। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को यह जानकारी दी। कार्यक्रम की घोषणा करते हुए, निर्वाचन आयोग ने कहा कि पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को जम्मू-कश्मीर (विधानसभा सहित) और लद्दाख (विधानसभा रहित) केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार, मौजूदा जम्मू और कश्मीर राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्यसभा के चार वर्तमान सदस्यों को जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र को आवंटित सीटों को भरने के लिए निर्वाचित माना जाएगा।

सभी चार सीट मौजूदा सदस्यों के कार्यकाल की समाप्ति के बाद से रिक्त पड़ी थीं, क्योंकि रिक्तियों के समय चुनाव कराने के लिए आवश्यक निर्वाचक मंडल उपलब्ध नहीं था। आयोग ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की राज्य विधानसभा के गठन के बाद, द्विवार्षिक चुनाव कराने के लिए एक निर्वाचक मंडल की आवश्यकता है। मतगणना 24 अक्टूबर की शाम को मतदान समाप्त होने के एक घंटे बाद होगी।

पंजाब से एक राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव

चुनाव आयोग ने पंजाब से एक रिक्त राज्यसभा सीट के लिए भी उपचुनाव की घोषणा की है। मतदान और मतगणना 24 अक्टूबर को होगी। यह सीट आप सांसद संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई थी। उन्होंने पंजाब विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद इस्तीफा दे दिया था। उनका राज्यसभा कार्यकाल 9 अप्रैल, 2028 को समाप्त होना था।

राज्य में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य व्यवस्थाएँ सतर्क रहें- चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ

मुंबई। चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने भारी बारिश के कारण राज्य में उत्पन्न बाढ़ की स्थिति को देखते हुए राज्य में स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने वाली सभी संस्थाओं और प्रणालियों को सतर्क रहने का आदेश दिया है।

समीक्षा बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव धीरज कुमार, आयुक्त अनिल भंडारी, निदेशक डॉ. अजय चंदनवाले और आयुष निदेशक डॉ. रमन घुंगरालेकर उपस्थित थे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा तत्परता से सेवाएँ प्रदान करने का निर्देश देते हुए, चिकित्सा शिक्षा मंत्री मुश्रीफ ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दवाओं की कोई कमी नहीं होगी और सभी आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराने के लिए एहतियाती कदम उठाए जाने चाहिए। बाढ़ के बाद उत्पन्न होने वाली संभावित महामारी को ध्यान में रखते हुए सभी प्रणालियों को योजना बनानी चाहिए।

विहिप नेता ने मुस्लिम नेताओं की भड़काऊ बयानबाजी पर जताई आपत्ति, कहा- यह देश संविधान से चलता है

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने कहा है कि भड़काऊ बयान देने वाले विशेष समुदाय के नेताओं को आपत्तिजनक बयानबाजी करने से बाज आना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेष समुदाय के सड़कों पर उतरने पर कानून-व्यवस्था खराब होने और भारत में नेपाल जैसी स्थिति बनने की चेतावनी देने वालों को यह याद रखना चाहिए कि यदि सौ करोड़ हिंदू जवाब देने के लिए सड़कों पर उतर जाएगा तो क्या होगा।

उन्होंने कहा कि यह देश संविधान से चलता है, और किसी भी संप्रदाय के किसी भी नेता को आपत्तिजनक बयानबाजी करने से दूरी बरतनी चाहिए।

बता दें कि सुरेंद्र जैन का ये बयान ऐसे समय में आया है जब इसके पहले इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा ने एक प्रेस कॉफ्रेंस करते हुए कहा था कि भारत में विशेष समुदाय की संख्या नेपाल और बांग्लादेश से भी ज्यादा है। यदि वह सड़कों पर उतर गया तो स्थिति खराब हो जाएगी।

संविधान से चलता है देश- सुरेंद्र जैन

विहिप नेता ने कहा कि संविधान ने हर धर्म के व्यक्ति को अपने प्रिय देवी-देवता या पैगंबर को प्यार करने की आजादी दी है। उन्होंने कहा कि ईश्वर प्रेम का प्रतीक होता है, लेकिन जिस तरह 'आई लव मुहम्मद' कैंपेन चलाकर एक धर्म के नाम पर पूरे देश-दुनिया में हिंसात्मक प्रदर्शन हो रहे हैं, यह स्थिति चिंताजनक और भयावह है। इसकी किसी भी कीमत पर अनुमति नहीं दी जा सकती।

उन्होंने कहा कि हिंसात्मक सोच और आपत्तिजनक नारे लगाने की आजादी कोई भी संविधान नहीं देता और इस तरह की बयानबाजी से हर हाल में बचना चाहिए।

क्या साजिश के तहत हुए प्रदर्शन?

विहिप नेता ने कहा कि 'आई लव मुहम्मद' के नाम पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में हिंसात्मक प्रदर्शन हुए हैं। विहिप नेता ने कहा कि इसके पीछे एक सोची-समझी साजिश हो सकती है। इस तरह हिंसात्मक प्रदर्शन कर भाजपा सरकारों को बदनाम करने की नीयत हो सकती है। उन्होंने कहा कि कोई भी लोकतांत्रिक देश इस तरह के हिंसात्मक प्रदर्शनों को स्वीकार नहीं कर सकता और इन्हें रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बारिश प्रभावित किसानों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को प्रशासन को निर्देश दिया कि उन किसानों को तत्काल सहायता सुनिश्चित की जाये जिनकी फसलों को राज्य में हाल में हुई भारी बारिश से नुकसान पहुंचा है।

पवार ने सोलापुर जिले के करमाला तालुका का दौरा किया और किसानों और स्थानीय अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने किसानों से हौसला बनाये रखने का आग्रह किया और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है, जिससे व्यापक क्षति हुई है।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लगातार भारी बारिश के कारण फसलों को काफी नुकसान हुआ है। मैं फसलों का निरीक्षण करने के लिए खेतों में गया। मैंने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और नुकसान के बारे में जानकारी एकत्र की।''

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रशासन सावधानीपूर्वक योजना बनाए तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसानों तक तत्काल सहायता पहुंचाने के लिए आवश्यक उपायों को तुरंत लागू करे।

उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार हमारे किसानों के पीछे पूरी दृढ़ता से खड़ी है।'' पवार ने कहा कि उन्होंने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

पटना में खरगे का एनडीए पर तीखा हमला

नीतीश कुमार को मानसिक रूप से रिटायर कर दिया

पटना। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मानसिक रूप से रिटायर करने का आरोप लगाया और उन्हें बोझ करार दिया। खड़गे ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव केंद्र में मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरुआत होगी। खड़गे ने कथित 'वोट चोरी' और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के ज़रिए मतदाता सूची में हेराफेरी को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति की विस्तारित बैठक लोकतंत्र की जननी बिहार में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि के लिए आयोजित की गई थी।

खरगे ने कहा कि जब हम बिहार में सत्ता में आएंगे तो हम 10 सूत्री कार्यक्रम लागू करेंगे... हमें पिछड़े वर्ग, दलितों और अन्य लोगों का उत्थान करना होगा जो अपने अधिकारों से वंचित हैं। उन्होंने आर्थिक मंदी, बढ़ती बेरोज़गारी और बढ़ते सामाजिक विभाजन के लिए मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दो करोड़ रोज़गार सृजित करने का वादा अधूरा रह गया है, युवा बेरोज़गारी के लिए संघर्ष कर रहे हैं और नोटबंदी व जीएसटी जैसी नीतियों ने अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया कदमों का स्पष्ट संदर्भ देते हुए खरगे ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारी समस्याएँ नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की कूटनीतिक विफलता का परिणाम हैं। जिन दोस्तों को प्रधानमंत्री 'मेरे दोस्त' कहकर शेखी बघारते हैं, वही आज भारत को कई मुश्किलों में डाल रहे हैं। खरगे ने ने भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तहत बिहार के खराब आर्थिक प्रदर्शन पर दुख जताया, जो जनवरी 2024 में नीतीश कुमार के साथ सत्ता में लौटी। उन्होंने बिहार के लिए विशेष केंद्र सरकार के पैकेजों की कमी का हवाला देते हुए डबल इंजन के दावे को खोखला बताया।

लालू, तेजस्वी यादव को कोर्ट में पेश होने का निर्देश, 13 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को आईआरसीटीसी में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव, पत्नी राबड़ी देवी और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश टाल दिया और उन्हें अगली सुनवाई पर अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। अदालत 13 अक्टूबर को आदेश सुनाएगी। हालाँकि, लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव ने इस मामले में केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा उन पर लगाए गए भ्रष्टाचार और अन्य आरोपों का खंडन किया है। इन आरोपों में आपराधिक षडयंत्र और धोखाधड़ी भी शामिल है। यह मामला भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के दो होटलों के संचालन के ठेके एक निजी फर्म को देने में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। यह मामला उस दौर से जुड़ा है जब लालू प्रसाद यादव 2004 से 2009 तक रेल मंत्री थे। आरोप है कि

आईआरसीटीसी के दो होटलों, बीएनआर रांची और बीएनआर पुरी, के रखरखाव का ठेका विजय और विनय कोचर की निजी कंपनी सुजाता होटल को दिया गया था। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि इस सौदे के बदले में लालू प्रसाद यादव को एक बेनामी कंपनी के ज़रिए तीन एकड़ बेशकीमती ज़मीन मिली थी।

'स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार' अभियान के अंतर्गत 34 हज़ार से ज़्यादा नागरिकों की जाँच की गई

नवी मुंबई नगर निगम के स्कूलों में छात्राओं के लिए विशेष स्वास्थ्य मार्गदर्शन सत्र

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महिलाओं का स्वास्थ्य और सशक्तिकरण परिवार, समाज और पूरे देश की प्रगति का आधार है। इसी उद्देश्य से, केंद्र और राज्य सरकारों के दिशा-निर्देशों के अनुसार, नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान प्रभावी ढंग से चलाया जा रहा है। यह अभियान भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा मनाए जा रहे पोषण माह के सहयोग से चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत, नगर निगम के 5 अस्पतालों और 26 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रतिदिन महिलाओं और पुरुषों की सामान्य स्वास्थ्य जाँच की जा रही है और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से अब तक कुल 218 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं और विभिन्न विशेषज्ञों की सेवाओं के साथ 18,815 महिलाओं और 15,915 पुरुषों सहित कुल 34,733 लाभार्थियों को इसका लाभ मिला है।

'स्वस्थ महिलाएँ - सशक्त परिवार' अभियान के अंतर्गत, नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के स्कूलों में किशोरियों के लिए मासिक धर्म मार्गदर्शन पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। इसमें मासिक धर्म शुरू होने पर शारीरिक विकास के कारण होने वाले परिवर्तनों, लड़कियों को मासिक धर्म क्यों होता है, मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता कैसे बनाए रखें, शरीर के विकास के लिए पौष्टिक आहार और मासिक धर्म के दौरान होने वाली समस्याओं या कठिनाइयों के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उनसे बातचीत करके उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया। इस अभियान में 2,264 किशोरियों ने परामर्श का लाभ उठाया।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में दो लोग पांच किलोग्राम गांजे के साथ पकड़े गये

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी तालुका में पुलिस ने कथित तौर पर लगभग पांच किलोग्राम गांजा रखने को लेकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है और सात लाख रुपये से अधिक मूल्य की यह प्रतिबंधित सामग्री और अन्य सामान जब्त किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

भिवंडी की अपराध इकाई (द्वितीय) के वरिष्ठ निरीक्षक जनार्दन सोनवणे ने बताया कि यह कार्रवाई सोमवार को की गई। उन्होंने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर, अपराध शाखा की एक टीम ने भिवंडी में जाल बिछाया तथा जैसे ही दोनों संदिग्ध गांजा बेचने के लिए मौके पर पहुंचे, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

उन्होंने बताया कि दोनों की पहचान प्रशांत उर्फ ??सलाद सुरेश तायडे (27) और सोहेल उर्फ ??पित्तल इरफान अली अंसारी (20) के रूप में हुई है। वरिष्ठ निरीक्षक ने बताया कि पुलिस ने 4.827 किलोग्राम गांजा, एक दोपहिया वाहन और अन्य कीमती सामान जब्त किया जो 3.54 लाख रुपये के हैं।

उन्होंने बताया कि दोनों के खिलाफ भिवंडी सिटी थाने में स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की विभिन्न संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सोनवणे के मुताबिक आगे की जांच के सिलसिले में पुलिस आरोपी तायडे के घर पहुंची, जहां से उसने एक अवैध देशी पिस्तौल और एक कारतूस भी बरामद किया, जिससे जब्त सभी सामानों की कुल कीमत 7.39 लाख रुपये हो गई। वरिष्ठ निरीक्षक ने बताया कि एक स्थानीय अदालत ने दोनों ही आरोपियों को आज के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

मध्य रेल महिला कल्याण संगठन भुसावल अध्यक्षा द्वारा मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, मनमाड़ संचालित विद्यालय का निरीक्षण

मुंबई(संवाददाता) । मध्य रेल महिला कल्याण संगठन भुसावल अध्यक्षा श्रीमती रेखा अग्रवाल द्वारा दिनांक 24 सितंबर 2025 को मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, मनमाड़ द्वारा संचालित विद्यालय का दौरा कर वहाँ की गतिविधियों और सुविधाओं का निरीक्षण किया।

मध्य रेल महिला कल्याण संगठन भुसावल अध्यक्षा ने छात्रों से आत्मीयता पूर्वक बातचीत की तथा उन्हें उपहार और चॉकलेट्स वितरित किए। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया। इस विशेष अवसर पर सशक्तिकरण का संदेश देते हुए छात्रों में विशेष उत्साह और आनंद का वातावरण देखने को मिला।

मध्य रेल महिला कल्याण संगठन भुसावल अध्यक्षा ने विद्यालय में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए महिला कल्याण संगठन के पदाधिकारियों और शिक्षकों के समर्पित कार्य की सराहना की और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर महिला कल्याण संगठन की पदाधिकारी, विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने भारी वर्षा और बाढ़ जैसी परिस्थितियों के बीच यात्रियों की संरक्षा और सहायता सुनिश्चित की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने अपने क्षेत्राधिकार में अभूतपूर्व वर्षा और उसके बाद उत्पन्न बाढ़ जैसी परिस्थितियों के मद्देनजर यात्रियों की संरक्षा, आराम और समय पर सहायता सुनिश्चित करते हुए, अत्यंत समर्पण के साथ इस चुनौती का सामना किया है।

भीमा नदी की सहायक नदी, सीना नदी के उफान पर होने के कारण, कुर्डुवाडी-लातूर और कुर्डुवाडी-सोलापुर खंडों में रेल परिचालन को विनियमित करना आवश्यक हो गया था। इस स्थिति से निपटने के लिए, सोलापुर के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम), डॉ. सुजीत मिश्रा ने वरिष्ठ मंडल अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत रूप से स्थल निरीक्षण किया और यात्रियों की संरक्षा और व्यवधान को कम करने के लिए कड़ी निगरानी रखी।

यात्री-केंद्रित व्यापक उपाय किए गए:

ट्रेन यातायात को गंतव्यों के अनुसार

कुर्डुवाडी-मिरज और कुर्डुवाडी-लातूर मार्गों से सक्रिय रूप से डायवर्ट किया गया। सोलापुर जाने वाली ट्रेनों को समय से पहले ही रोक दिया गया।

राज्य परिवहन प्राधिकरण के साथ घनिष्ठ समन्वय में, यात्रियों की आगे की यात्रा को सुगम बनाने के लिए कुर्डुवाडी और माढ़ा में बसों की व्यवस्था की गई

यात्रियों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए सोलापुर, लातूर, धाराशिव, कुर्डुवाडी, मोहोल, पंढरपुर और माढ़ा स्टेशनों पर सहायता डेस्क स्थापित किए गए।

टिकट जाँच कर्मचारी चौबीसों घंटे स्टेशनों और ट्रेनों में कार्यरत रहे और शिष्टाचार और देखभाल के साथ सहायता प्रदान की।

वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए, फंसे हुए यात्रियों को केले और पानी की बोतलें सहित खानपान सेवाएँ प्रदान की गईं

जहाँ भी आवश्यक हुआ, चिकित्सा सहायता की तुरंत व्यवस्था की गई

आधिकारिक सोलापुर मंडल ट्विटर (X) हैंडल और यात्री संघों के स्थानीय व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से नियमित अपडेट साझा किए गए।

यात्रियों को बल्क एसएमएस संदेश भेजे गए।

वास्तविक समय की जानकारी के लिए स्टेशनों पर सार्वजनिक घोषणाएँ की गईं।

समय पर धनवापसी के लिए पर्याप्त नकदी व्यवस्था की गई।

प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट जाँच कर्मचारियों और सीसीआई की तैनाती की गई।

DRM, Sr DEN (Central) और Sr DSO ने स्थिति पर कड़ी नज़र रखी और नियंत्रण कार्यालय के कार्यों की देखरेख ऐ अश्र और ऐ अश्र द्वारा की गई, जिससे सुचारू समन्वय सुनिश्चित हुआ।

पूरी रात और अगले दिन, सोलापुर मंडल के समर्पित कर्मचारियों ने यात्रियों की सहायता के लिए करुणा, शिष्टाचार और कुशलता से अथक परिश्रम किया। उनके अथक प्रयासों से ट्रेनों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हुआ, यात्रियों की असुविधा कम हुई और इस चुनौतीपूर्ण समय में जनसेवा के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता कायम रही।

कांजुरमार्ग-ठाणे के बीच भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध

25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सुबह और शाम को लागू

मुंबई। कांजुरमार्ग ट्रैफिक पुलिस ने 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रतिदिन 2 सत्रों में कांजुरमार्ग और ठाणे के बीच भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। तदनुसार, यह सूचित किया गया है कि यह प्रतिबंध सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक रहेगा। यह प्रतिबंध दो अलग-अलग निर्देशों के अनुसार कांजुरमार्ग यातायात प्रभाग की सीमाओं से ठाणे शहर की सीमा में रहेगा, और प्रतिबंध 20 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सुबह 6 बजे से 11 बजे तक और शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक लागू किया गया है। मुंबई - नवी मुंबई से आनंद नगर चेक नाका के माध्यम से ठाणे शहर में आने वाले सभी वाहन (10 पहिया टुक और उससे ऊपर) कोपरी यातायात प्रभाग की सीमा के भीतर आनंद नगर चेक नाका पर 'संलग्न' किया गया है। नागरिकों को खतरे, बाधा और असुविधा से बचाने के लिए यह आदेश जारी किया गया है। दूसरे आदेश के अनुसार, 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक, आवश्यकतानुसार इस अवधि के दौरान ये सुबह 6:00 बजे से 11:00 बजे तक और शाम 5:00 बजे से रात 10:00 बजे तक लागू रहेंगे। कांजुरमार्ग परिवहन विभाग इस संबंध में कार्रवाई करेगा। ठाणे और नवी मुंबई से मुंबई शहर में प्रवेश करने वाले और ठाणे की ओर जाने वाले सभी भारी वाहनों (10 पहिया टुक और उससे अधिक) को ऐरोली चेक पॉइंट (आवश्यक सेवाओं में वाहनों को छोड़कर) पर 'प्रतिबंधित' किया गया है, जबकि ठाणे और नवी मुंबई से मुंबई शहर में प्रवेश करने वाले और ठाणे की ओर जाने वाले सभी भारी वाहनों (10 पहिया टुक और उससे अधिक) को आनंदनगर चेक पॉइंट (आवश्यक सेवाओं में वाहनों को छोड़कर) पर 'प्रतिबंधित' किया गया है। इस बीच, यह बताया गया है कि नवी मुंबई से मुंबई शहर में प्रवेश करने वाले और मानखुर्द यातायात प्रभाग पुलिस के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ठाणे की ओर जाने वाले सभी भारी वाहनों (10-पहिया टुक-टुक और उससे अधिक) को वाशी चेक प्वाइंट में प्रवेश करने से 'प्रतिबंधित' कर दिया गया है (आवश्यक सेवाओं में लगे वाहनों को छोड़कर)।

मध्य रेलवे भुसावल मंडल रेल प्रबंधक द्वारा मनमाड़-भुसावल खंड का ओएमएस कोच से विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

मनमाड़ रेलवे स्टेशन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था का किया गया विस्तृत निरीक्षण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेलवे के भुसावल मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल इनके द्वारा दिनांक 24 सितम्बर 2025 को मनमाड़-भुसावल रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। यह निरीक्षण ओएमएस (ऑस्सीलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम) कोच के माध्यम से किया गया, जिसमें रेलवे ट्रैक की स्थिति, कंपन की तीव्रता, वक्र, सिग्नल प्रणाली तथा ट्रेनों की गति के दौरान ट्रैक की गुणवत्ता का सूक्ष्म अध्ययन किया गया।

इस तकनीकी निरीक्षण का उद्देश्य ट्रेनों की सुरक्षित, सुगम व निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा को और अधिक मजबूत किया जा सके। ओएमएस कोच से प्राप्त आंकड़े रेलवे की ट्रैक मेंटेनेंस प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक, सटीक और प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक अग्रवाल इन्होने मनमाड़ रेलवे स्टेशन का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाएं, स्वच्छता की स्थिति, सुरक्षा उपाय, टिकट बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय (वेटिंग हॉल), तथा दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध विशेष सुविधाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

मंडल रेल प्रबंधक ने कार्य कुशलता और सुरक्षा प्रबंधन पर विशेष बल देते हुए रेलकर्मियों को नियमित देखरेख तथा यात्रियों की सुरक्षा के प्रति सजग रहने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियरिंग तथा सबंधित विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

मध्य रेल

सोलापूर मंडल

सामग्री खरेदी

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी तरफ से मंडल सामग्री कार्यालय मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है. **टेंडर नं.: 9625NCR01**, **क्र. सं. 1, पी.एल.कोड (ग्रुप)** - 96NS4218, **आइटम प्रकार जीएसटी (हां/नही)** - गुड्स (हां), **स्टॉक / नॉन स्टॉक** - नॉन स्टॉक, **ऑर्डरिंग** : ----, **कंसीडर फॉर इवैल.** - हां, **एप्रूविंग एजेंसी** - आरडीएसओ, **इंस्पेक्शन एजेंसी** - टीपीआई एजेंसी, **करेंसी अलाउड** - आईएनआर, **एस्टीमेटेड रेट** - , **विवरण:** गुड्स, 1:12/60 किग्रा टर्नआउट पर रेल के नीचे लगाने हेतु 6 मिमी मोटी नायलॉन कॉर्ड रिइन्फोर्ड जीआरएसपी का निर्माण और आपूर्ति, आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी-4218 (परिवर्तन-9) के अनुरूप, या सीएस से आईआरएस विनिर्देश संख्या टी-55-2025 (संशोधन 1) के अनुरूप (निविदा समापन तिथि तक नवीनतम परिवर्तन और संशोधित विनिर्देशों के साथ) (अनुलग्नक 'ए' के अनुसार एक सेट में आपूर्ति की जाने वाली नायलॉन कॉर्ड रिइन्फोर्ड जीआरएसपी की सूची). [**वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख से 30 महीने बाद] [**क्वांटिटी टोलरेंस** (+/-): 0 प्रतिशत, **आइटम कैटेगरी:** सामान्य कुल पीओ मूल्य में अनुमत परिवर्तन: अधिकतम 8 लाख] **प्रेषिती (कंसाइनी)** - एसीई/पी-वे/स्टोर/सोलापुर, महाराष्ट्र, 2000 सेट. **इंस्पेक्शन विवरण:** स्टेज इंस्पेक्शन की आवश्यकता नही है। **यूवीएएम आइटम रिफ.: आइटम आईडी:** - 3100584 - रेल पैड्स, सब आइटम आईडी:- 3100584003 - एनसीआर जीआरएसपी, **बयाना राशि (INR):** रु. 849600/-, **www.ireps.gov.in पर टेंडर बंद होने की तिथि और समय:** 13/10/2025, 11:30 के बाद, संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा समाप्ति की तिथि से पहले वेबसाइट पर विजिट करते रहें ताकि इस निविदा के लिए जारी किए गए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र पर ध्यान दिया जा सके. वेबसाइट: www.ireps.gov.in.

SUN 81 **वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मुंबई में गैस सिलेंडर फटने के बाद आग लगने से सात लोग घायल

मुंबई। मुंबई में बुधवार सुबह गैस सिलेंडर फटने के बाद एक दुकान में आग लगने से छह महिलाएं और एक पुरुष गंभीर रूप से झुलस गए। यह जानकारी स्थानीय निकाय के अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि घटना में तीन लोग लगभग 90 प्रतिशत तक जल गये हैं।

कांदिवली (पूर्व) में मिलिट्री रोड पर अकुरली मेंटेनेंस चौकी के पास राम किसान मेस्त्री चॉल की दुकान में सुबह 9.05 बजे आग लग गई। एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि आग एक मंजिला दुकान में बिजली के तारों, खाद्य पदार्थों, एलपीजी सिलेंडर और गैस स्टोव तक ही सीमित थी।

अधिकारियों के अनुसार, इसमें सात लोग घायल हो गये हैं। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया, आग गैस सिलेंडर फटने के कारण लगी। बीडीबीए अस्पताल में भर्ती होने वालों में रक्षा जोशी (47), दुर्गा गुप्ता (30) शामिल हैं, जो 85 से 90 प्रतिशत तक जल चुकी हैं। घटना में पूनम (28) भी 90 प्रतिशत तक जल चुकी हैं।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, बाद में उन्हें आगे के इलाज के लिए कस्तूरबा अस्पताल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती अन्य घायलों की पहचान नीतू गुप्ता (31) के रूप में हुई है जो 80 प्रतिशत जली हैं, जानकी गुप्ता (39) और शिवानी गांधी (51) दोनों 70 प्रतिशत जली हैं, तथा मनाराम कुमाकट (55) 40 प्रतिशत जल गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि चार दमकल गाड़ियां और अन्य अग्निशमन वाहन घटनास्थल पर पहुंचे और सुबह 9.33 बजे तक आग बुझा दी गई।

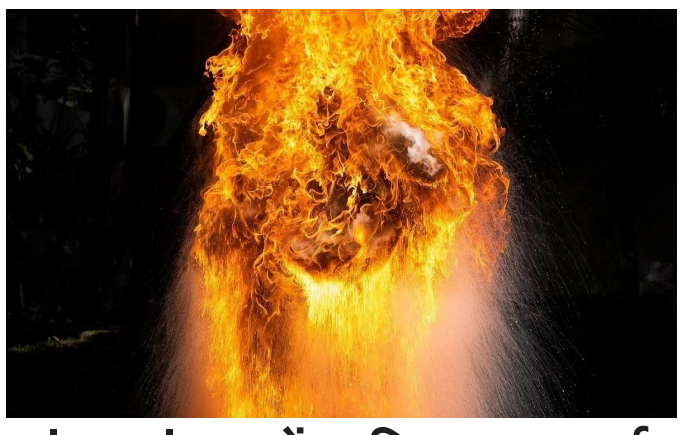

भांडुप संकुल में पालिका का पर्यावरणपूरक उपक्रम - 439 पेड़ों का पुनरोपण शत-प्रतिशत सफल

भांडुप स्थित 200 MLD पानी परियोजना के अंतर्गत बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा किए गए वृक्ष पुनरोपण उपक्रम को बड़ी सफलता मिली है। इस परियोजना में 439 पेड़ों का पुनरोपण वैज्ञानिक पद्धति से किया गया था और विशेष बात यह है कि ये सभी पेड़ शत-प्रतिशत जीवित रहे हैं। 'मेसर्स क्षितिज' कंपनी की ओर से रूट बॉल तकनीक का उपयोग कर पेड़ों को स्थानांतरित किया गया। औषधीय उपचार, सीमित छंटाई और नियमित देखभाल के कारण पेड़ों की वृद्धि अच्छी हो रही है। इन पेड़ों की अगले तीन वर्षों तक देखभाल की जिम्मेदारी भी पालिका ने ली है। साथ ही, लगभग 1000 नए पेड़ों का रोपण भी किया गया है, जो पूरी तरह सफल रहा है। सभी पेड़ों का नाम, क्रमांक और जियो-टैगिंग सहित जानकारी दस्तावेज़ करके पालिका को सौंपी गई है।

मध्य रेल

सोलापूर मंडल

सामग्री खरेदी

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी तरफ से मंडल सामग्री कार्यालय मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है. **टेंडर नं.: 9625SWT03**, **क्र. सं. 1, पी.एल.कोड (ग्रुप)** - 96NS6155, **आइटम प्रकार जीएसटी (हां/नही)** - गुड्स (हां), **स्टॉक / नॉन स्टॉक** - नॉन स्टॉक, **ऑर्डरिंग** : ----, **कंसीडर फॉर इवैल.** - हां, **एप्रूविंग एजेंसी** - आरडीएसओ, **इंस्पेक्शन एजेंसी** - टीपीआई एजेंसी, **करेंसी अलाउड** - आईएनआर, **एस्टीमेटेड रेट** - , **विवरण:** 10125 मिमी प्री कर्ल्ड/कर्ल्ड स्विच का निर्माण और आपूर्ति, जेडयू-1-60/60ई1ए। थिक वेब ग्रेड आर-260 उच्च गुणवत्ता वाली टंग रेल और स्टॉक रेल के साथ इलास्टिक फास्टनर और स्प्रिंग संचालित सेटिंग डिवाइस (आरडीएसओ-टी/6216 परिवर्तनों के साथ पढ़ें), 1 इन 12 के लिए सभी फिटिंग के साथ पूर्ण (चेक रेल के साथ), पीएससी स्लीपर्स पर पंखे के आकार के लेआउट के लिए बीजी 60 किग्रा टर्न आउट, अर्थात आरडीएसओ के मानक ड्राइंग संख्या 6154 (नवीनतम परिवर्तनों के साथ पढ़ें) के अनुसार सब असेंबली ड्राइंग संख्या टी-6155 (परिवर्तन 13) (नवीनतम परिवर्तनों के साथ पढ़ें) के अनुसार स्विच भाग के लिए सभी फिटिंग, स्टैंडर्ड फिश प्लेट, फिश बोल्ट और नट ईआर क्लिप, इंसुलेटिंग लाइनर को छोड़कर। विनिर्देश: i) आई.आर.एस. - टी - 10-2025- थिक वेब स्विच के लिए, ii) आईआरएस - टी - 62 2025 - थिक वेब एसिमिट्रिकल रेल की एंड फोर्जिंग के लिए। नोट: (1) प्री-कर्विंग आरडीएसओ के पत्र संख्या CT/PTX/TWS/Design दिनांक 06.07.2023 के अनुसार की जाएगी। नोट:- I) टंग रेल के लिए जेडयू-1-60/60ई1ए। थिक वेब आर-260 रेल की व्यवस्था विक्रेता द्वारा अपने खर्चे पर की जाएगी। स्टॉक रेल और चेक रेल (आर-260) के लिए रेल की व्यवस्था भी रेलवे बोर्ड के दिनांक 24.01.2022 और 31.07.2023 के पत्र संख्या 2022/ट्रैक-1 (पी)/फैब्रिकेटर्स के अनुसार आपूर्तिकर्ता द्वारा अपने खर्चे पर की जाएगी। II) नवीनतम परिवर्तनों का अर्थ इस ई-निविदा के समापन की तिथि तक आरडीएसओ द्वारा जारी नवीनतम परिवर्तन होंगे। बाएं/दाएं भाग की मात्रा, कवरेज पीओ के साथ संलग्न अनुलग्नक-1 में दी जाएगी। कर्व्ड/प्री कर्व्ड मात्रा - डिग्री सहित समान/विपरीत फ्लेक्सर, कवरेज पीओ के साथ अनुलग्नक-1 में दी जाएगी। वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के 30 महीने बाद। [क्वांटिटी टोलरेंस (+/-): 0 प्रतिशत, आइटम कैटेगरी: सामान्य, कुल पीओ मूल्य में अनुमत परिवर्तन: अधिकतम 8 लाख] **प्रेषिती (कंसाइनी)** - एसीई/पी-वे/स्टोर/सोलापुर, महाराष्ट्र, 100.00 सेट. **इंस्पेक्शन विवरण:** उत्पाद निरीक्षण: चरण 1: मेटालर्जिकल और डाइमेंशनल निरीक्षण (पीओ मात्रा का 100%), चरण 2: अंतिम निरीक्षण (पीओ मात्रा का 100%). **यूवीएएम आइटम रिफ.: आइटम आईडी:** थिक वेब स्विचेज, थिक.सब आइटम आईडी 3100582001- थिक वेब स्विचेज, **बयाना राशि (INR):** रु. 1553640/-, **www.ireps.gov.in पर टेंडर बंद होने की तिथि और समय:** 29/09/2025, 11:30 के बाद, संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा समाप्ति की तिथि से पहले वेबसाइट पर विजिट करते रहें ताकि इस निविदा के लिए जारी किए गए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र पर ध्यान दिया जा सके. वेबसाइट: www.ireps.gov.in.

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक

SUN 80 **अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है**

मध्य रेल

सोलापूर मंडल

विद्युत कार्य (गति शक्ति यूनिट)

ई-निविदा सूचना क्र. 05-2025-GSU-Elect-G

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम** - विद्युत सामान्य सेवा कार्य, (क) पार्सल और गुड्स शेड से संबंधित सुविधाओं का प्रावधान (i) सोलापुर: सीजीएस और पार्सल कार्यालय का प्रावधान (ii) कलबुर्गी: पार्सल कार्यालय का प्रावधान (iii) कुर्दुवाडी: हमाल कक्ष और सीजीएस कार्यालय का प्रावधान (iv) वाडी: पार्सल कार्यालय और स्टोर रूम का प्रावधान (v) पंढरपुर: हमाल कक्ष का प्रावधान (ख) वाडी - वाडी स्टेशन के प्लेटफार्म 1/2 और 3/4 का पुनर्निर्माण और अन्य सुधार कार्य। **अनुमानित लागत** - रु. 1,70,95,922.48/-, **बयाना रकम** - रु. 2,35,500.00/- **समापन की अवधि** - 12 (बारह) महीने, **अनुरक्षण की अवधि** - स्थापना के चालू होने/अधिग्रहण की तारीख से 12 (बारह) महीने। **वेबसाइट ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तारीख और समय** - 20.10.2025 up to 15.00 hrs, **वेबसाइट ई-निविदा खोलने की तारीख और समय** - 20.10.2025 after 15.30 hrs. **वेबसाइट विवरण** - www.ireps.gov.in, निविदाकारोंसे निवेदन है की कोइ बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये Website: www.ireps.gov.in पर ट्रेडंर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेट दे।

SUN 79 **मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति)**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

किसानों को सभी मानदंडों को दरकिनार करते हुए तत्काल सहायता दी जाएगी दिवाली से पहले सहायता राशि वितरित की जाएगी- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

भारी बारिश के दौरान भी अभाव के दौरान किए गए उपायों को लागू किया जाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य में बादल फटने जैसी बारिश के कारण कई जगहों पर नदियाँ उफान पर हैं। फसलें क्षतिग्रस्त हुई हैं और भूमि का कटाव हुआ है। संकट की इस घड़ी में, राज्य सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और सभी मानदंडों को दरकिनार करते हुए सभी प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही, दिवाली से पहले किसानों को यह सहायता राशि वितरित की जाएगी, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने औसा तालुका के उजानी और निलंगा तालुका के औरद शाहजानी में भारी बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से बातचीत की और नुकसान की जानकारी ली।

जल संसाधन एवं आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन, लोक निर्माण मंत्री एवं लातूर जिले के पालक मंत्री शिवेंद्रसिंह राजे भोसले, सांसद ओमप्रकाश राजे निंबालकर, विधायक अभिमन्यु पवार, विधायक संजय बनसोडे, विधायक रमेश कराड, विधायक राणा जगजीतसिंह पाटिल, विधायक कैलाश पाटिल, पूर्व विधायक बसवराज पाटिल, जिला कलेक्टर वर्षा ठाकुर-घुगे, पुलिस अधीक्षक अमोल तांबे, उजनी में उपस्थित थे। औराद शाहजानी में पालक मंत्री शिवेंद्रसिंह राजे भोसले, विधायक संभाजी पाटिल निलंगेकर, संभागीय

आयुक्त पापलकर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राहुल मीणा, बीड सिंचाई परियोजना बोर्ड के अधीक्षण अभियंता आई.एम. चिश्ती उपस्थित थे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सबसे पहले औसा से तुलजापुर राजमार्ग पर बने पुल से तेरना नदी के तल और नदी में आई बाढ़ से कृषि फसलों को हुए नुकसान का निरीक्षण किया। इसके बाद, उन्होंने उजानी गाँव के पास तेरना नदी के तल और बाढ़ के कारण गाँव में घरों और दुकानों को हुए नुकसान का निरीक्षण किया और किसानों व ग्रामीणों से फसलों को हुए नुकसान के बारे में जानकारी एकत्र की।

अकाल के दौरान लागू किए गए उपायों को भारी बारिश के दौरान भी लागू किया जाएगा। सरकार किसानों को और अधिक सहायता प्रदान करने का प्रयास कर रही है। भारी बारिश के कारण घरों और दुकानों में घुसे बाढ़ के पानी से हुए नुकसान के लिए भी सहायता प्रदान की जाएगी। मंगलवार को ही राज्य सरकार ने प्रभावित लोगों के लिए सहायता के रूप में 2,200 करोड़ रुपये की पहली किस्त को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि नुकसान की रिपोर्ट प्राप्त होने पर और सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने उजानी गाँव के पास तेरना नदी पर औसा और तुलजापुर तालुका को जोड़ने वाले एक पुल के निर्माण की भी घोषणा की, साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर उजानी गाँव को उजानी जंक्शन से जोड़ने वाली सड़क के निर्माण कार्य को भी मंजूरी दी।

बारिश के कारण किसानों को काफी नुकसान हुआ है। नदी किनारे की भूमि के कटाव के कारण किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इसलिए, विधायक अभिमन्यु पवार ने किसानों को और अधिक सहायता प्रदान करने की मांग की। विधायक संजय बनसोड़े ने उदगीर और जलकोट तालुका में भारी बारिश से हुए नुकसान के संबंध में मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा।

मुख्यमंत्री ने बांध पर जाकर किसानों की पीड़ा जानी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा पर तेरना और मंजारा नदियों के संगम पर स्थित औरद शाहजानी के क्षतिग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से बातचीत की। किसान शिवपुत्र आगरे ने मुख्यमंत्री श्री फडणवीस को अपने खेतों में पानी घुसने और नुकसान की जानकारी दी, जबकि अन्य ग्रामीणों ने मूंग, उड़द, मक्का, सोयाबीन आदि फसलों को हुए नुकसान की जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने किसानों की पीड़ा जानते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि किसान चिंता न करें, किसानों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

कम समय में भारी वर्षा के कारण नदी में पानी अचानक बढ़ जाता है, जिससे बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसके लिए नदी पर बैराज बनाकर बाढ़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाएगा। औरद शाहजानी में बाढ़ की समस्या के समाधान के लिए बाढ़ सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी। पुराने बैराजों के जीर्णोद्धार का कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इन बैराजों में आधुनिक द्वार लगाए जाएँगे, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा।

औरद में मंजारा और तेरना नदियों के संगम से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। फसलों के नुकसान के साथ-साथ भूमि का कटाव भी हुआ है। मंजारा और तेरना नदियों के संगम से नदी का तल बढ़ जाता है, इसलिए विधायक संभाजी पाटिल निलंगेकर ने कुछ बैराज बनाने का सुझाव दिया है, और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा।

क्षतिग्रस्त क्षेत्रों में पंचनामा की प्रक्रिया चल रही है। जिन क्षेत्रों में पानी घुस गया है, लेकिन वहाँ पहुँचना संभव नहीं है, वहाँ ड्रोन से किया गया सर्वेक्षण भी स्वीकार किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मोबाइल फोन से ली गई तस्वीरें भी स्वीकार की जाएंगी।

नवी मुंबई नगर निगम के कर्मचारियों ने सीखी नवीनतम एआई तकनीक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सूचना प्रौद्योगिकी युग में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सभी क्षेत्रों में अपनी पैठ बना ली है, और दैनिक जीवन व कार्य में एआई का प्रभावी उपयोग करने तथा कार्य में और अधिक स्मार्टनेस लाने के उद्देश्य से, नवी मुंबई नगर निगम द्वारा नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में एआई पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

मान्यता प्राप्त संस्था महाराष्ट्र नॉलेज कॉर्पोरेशन (एमकेसीएल) द्वारा नगर निगम कर्मचारियों को एआई प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस दो दिवसीय, चार सत्रों वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन प्रशासन विभाग के उपायुक्त श्री किसनराव पलांडे की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर षष्ठम आयुक्त श्री प्रबोधन मावड़े, महाराष्ट्र नॉलेज कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक श्री विनायक कदम और मुंबई मंडल समन्वयक श्री इंद्रनील मायेकर उपस्थित थे।

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता का कार्यालय उपयोग' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में जोन 1 के अंतर्गत आने वाले सभी विभागीय कार्यालयों, सामाजिक विकास विभाग, क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक विभाग तथा विष्णुदास भावे रंगमंच के कर्मचारियों ने भाग लिया। महाराष्ट्र ज्ञान महामंडल के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक विनायक कदम ने उपस्थित लोगों से बातचीत की और एआई के जन्म और इतिहास से लेकर आज के समय में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यालय के काम में एआई का उपयोग करके अपने काम को कैसे आसान और अधिक सुनियोजित बनाया जा सकता है, इसकी जानकारी और प्रदर्शन भी दिए।

यह प्रशिक्षण 24 और 25 सितंबर को सुबह और दोपहर दो सत्रों में आयोजित किया गया है। कुल चार सत्रों में, नवी मुंबई नगर निगम के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को उनके काम में एआई तकनीक के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि बेहद सरल तरीके से दिया जाने वाला यह एआई प्रशिक्षण हमारे दैनिक कार्यों, जैसे टिप्पणियाँ लिखना और अन्य कार्यों में उपयोग किया जा सकता है और यह लाभदायक होगा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराएँ- लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को राज्य में जारी भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ की स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

इस संबंध में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अबितकर की अध्यक्षता में आरोग्य भवन में एक राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अकोला, छत्रपति संभाजीनगर, नासिक और लातूर मंडल सहित राज्य के स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने बाढ़ की स्थिति और स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की।

राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने का निर्देश देते हुए, लोक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने कहा कि मंडल के सभी उप निदेशक अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले स्वास्थ्य संस्थानों की समीक्षा करें। स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होना

चाहिए। आपात स्थिति में 108, 102 एम्बुलेंस तैयार रखी जानी चाहिए। चिकित्सा अधिकारी मुख्यालय में उपस्थित रहें। यदि स्वास्थ्य संस्थान बाढ़ से प्रभावित होता है, तो तत्काल मरम्मत और उपाय किए जाने चाहिए। बाढ़ प्रभावित रोगियों को तत्काल उपचार दिया जाना चाहिए। स्वास्थ्य शिविरों में विस्थापित नागरिकों को सुविधाएँ प्रदान की जानी चाहिए। गाँव स्तर तक सावधानीपूर्वक योजना बनाकर पेयजल और जल स्रोतों का नियमित निरीक्षण किया जाना चाहिए। बाढ़ से विस्थापित रोगियों के उपचार के लिए मौके पर जाकर व्यवस्था की जानी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने टीसीएल पाउडर और कीटनाशकों का छिड़काव करके बाढ़ के बाद उत्पन्न होने वाली महामारी को रोकने और नियंत्रित करने के उपाय करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिए कि रोगियों को सभी प्रकार की सेवाएँ प्रदान करने के लिए चिकित्सा अधिकारी और कर्मचारी 24 घंटे उपलब्ध रहें और बाढ़ की स्थिति में जल जनित रोगों की रोकथाम के लिए तैयारी की जानी चाहिए। बैठक में स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. विजय कंडेवाड़ और राज्य के अन्य उच्च-स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

महाराष्ट्र कृषि व्यवसाय नेटवर्क (मैग्नेट) परियोजना के माध्यम से राज्य में निवेश और रोज़गार को बढ़ावा- विपणन मंत्री जयकुमार रावल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के वरिष्ठ अधिकारियों को राज्य में महाराष्ट्र कृषि व्यवसाय नेटवर्क परियोजना (मैग्नेट) की प्रगति के बारे में आश्वस्त करते हुए, विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने कहा कि इस परियोजना के कार्यान्वयन से राज्य में निवेश और रोज़गार सृजन को बढ़ावा मिला है।

विपणन मंत्री जयकुमार रावल की अध्यक्षता में मंत्रालय में आयोजित एक बैठक में मैग्नेट परियोजना के कामकाज की समीक्षा की गई। सहकारिता एवं विपणन विभाग के प्रमुख सचिव प्रवीण दराडे, महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड के कार्यकारी निदेशक संजय कदम, मैग्नेट के परियोजना निदेशक विनायक कोकरे, एशियाई विकास बैंक की निदेशक (भारत) श्रीमती मियो ओका, ताकेशी उदेओ, कृष्ण रौतेला वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

मैग्नेट परियोजना के माध्यम से एकीकृत मूल्य श्रृंखला का विकास

एशियाई विकास बैंक और विपणन विभाग द्वारा वित्त पोषित महाराष्ट्र कृषि व्यवसाय नेटवर्क (मैग्नेट) परियोजना राज्य के सभी जिलों में क्रियान्वित की जा रही है। मैग्नेट परियोजना के माध्यम से कुल 15 बागवानी फसलों के लिए उत्पादन से लेकर उपभोक्ता वितरण तक एक एकीकृत मूल्य श्रृंखला विकसित की जा रही है, जिसमें 14 प्रमुख फल फसलें (अनार, केला, संतरा, नींबू, सीताफल, अमरूद, चना, स्ट्रॉबेरी, भिंडी और मिर्च (हरी और लाल), आम, काजू, नींबू, पडवल) और सभी प्रकार के फूल शामिल हैं। इसमें किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), निर्यातक, प्रसंस्करणकर्ता, संगठित खुदरा विक्रेता, कृषि व्यवसाय में लगे छोटे और मध्यम उद्यमी, वित्तीय संस्थान, स्वयं सहायता समूह भाग ले रहे हैं।

'एडीबी' के माध्यम से ऋण एवं कार्यशील पूँजी

मैग्नेट परियोजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में 14 बागवानी फसलों एवं फूलों की मूल्य श्रृंखला में निजी निवेश को आकर्षित करके किसानों की आय में वृद्धि करना, फलों एवं सब्जियों की कटाई के बाद होने वाली हानि को कम करना एवं उनकी भंडारण क्षमता में वृद्धि करना, माँग के अनुसार वस्तुओं का मूल्य संवर्धन एवं वितरण प्रणाली को कुशल बनाना, तथा मूल्य श्रृंखला में कृषक उत्पादक संगठनों की भागीदारी बढ़ाना है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु, उत्पादकों एवं उद्यमियों को नए एवं संगठित बाजारों तक पहुँच प्रदान करने हेतु आवश्यक तकनीकी सहायता, अवसंरचना निर्माण हेतु सहायता, मध्यम अवधि के ऋण एवं कार्यशील पूँजी एडीबी के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

बैठक में प्रस्तुतियों के माध्यम से परियोजना की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मैग्नेट परियोजना की वित्तीय योजना 142.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, और परियोजना की कार्यान्वयन अवधि 2021-22 से 2027-28 तक है। इस परियोजना के विस्तारित चरण, मैग्नेट 2.0 पर भी इस दौरान चर्चा की गई।

मैग्नेट 2.0 परियोजना की विस्तृत योजना

बताया गया कि मैग्नेट 2.0 परियोजना की एक विस्तृत योजना तैयार की जा रही है, जिसमें सर्वोत्तम कृषि तकनीक, कृषि उपज का प्रबंधन, बुनियादी ढाँचा, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, समृद्धि राजमार्ग पर कॉरिडोर बागवानी मूल्य श्रृंखला का समावेश, महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड का संस्थागत सुदृढ़ीकरण, कार्बन क्रेडिट आदि शामिल हैं। यह योजना राज्य की कृषि उपज के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने हेतु एशियाई विकास बैंक के सहयोग से तैयार की जा रही है।

खेल, संस्कृति और प्रमुख रेलवे कार्यों में उत्कृष्टता के साथ मध्य रेल शिखर पर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल ने एक बार फिर खेल और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करके अपनी सर्वांगीण उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है, साथ ही प्रमुख रेलवे मापदंडों में प्रदर्शन के उच्चतम मानकों को बनाए रखा है।

इस बहुमुखी उत्कृष्टता को तीन प्रतिष्ठित पुरस्कारों, समग्र दक्षता के लिए पंडित गोविंद बल्लभ पंत शील्ड, खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रीय रेलवे के लिए कौल गोल्ड कप, और हाल ही में शामिल अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता शील्ड, की एक साथ उपलब्धि से मान्यता मिली है। इन सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करके, मध्य रेल ने सदियों पुरानी मान्यताओं को तोड़ा है और यह सिद्ध किया है कि बेहतरीन योजना, प्रतिभा विकास और कार्यान्वयन विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की ओर ले जा सकते हैं। मध्य

रेल समय और विषयों में निरंतर प्रदर्शन के माध्यम से शक्ति, धैर्य और सतत प्रयास का उदाहरण प्रस्तुत करता रहा है।

मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्म वीर मीना ने तीनों पुरस्कार - भारतीय रेलवे - सांस्कृतिक प्रतियोगिता शील्ड, समग्र दक्षता के लिए पंडित गोविंद बल्लभ पंत शील्ड, तथा खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र के लिए कौल गोल्ड कप - को गर्व से प्रदर्शित किया।

सभी रेलवे जोनों (पूर्वोत्तर रेलवे के साथ संयुक्त रूप से) में समग्र दक्षता के लिए प्रदान की जाने वाली पंडित गोविंद बल्लभ पंत शील्ड, श्री धर्म वीर मीना ने 21 दिसंबर 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्राप्त की। इसने यातायात परिचालन, निर्माण और अन्य प्रमुख दक्षताओं में मध्य रेल के उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता दी।

कई खेल विधाओं में उपलब्धियों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रेलवे जोन को प्रदान किया जाने वाला कौल गोल्ड कप, मध्य रेल ने अपने खिलाड़ियों के सतत प्रयास से हासिल किया, जिन्होंने सभी जोनल रेलवे और उत्पादन इकाइयों में अग्रणी स्थान प्राप्त किया।

उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन के अलावा, मध्य रेल ने पहली बार आईआरसीसी रनिंग कल्चरल कॉम्पिटिशन शील्ड जीती, और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में आयोजित अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समग्र विजेता बनकर उभरा। यह ऐतिहासिक जीत सभी मंडलों और कारखानों में मध्य रेल सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों की उत्कृष्ट प्रतिभा को उजागर करती है, जिन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में शानदार प्रदर्शन किया, और महाप्रबंधक मध्य रेल श्री धर्म वीर मीना और प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री अरविंद मालखेड़े के कुशल नेतृत्व वाले अधिकारियों द्वारा उनके निरंतर पोषण और प्रोत्साहन को दर्शाया।

तीनों प्रतिष्ठित ट्रॉफियों, पंडित गोविंद बल्लभ पंत शील्ड, कौल गोल्ड कप और अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता शील्ड को एक साथ अपने झोली में लेकर, मध्य रेल समग्र उत्कृष्टता का एक सच्चा प्रतीक है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल परिचालन दक्षता बल्कि खेल और संस्कृति में प्रतिभाओं को पोषित करने के प्रति समर्पण को भी दर्शाती है, जो भारतीय रेलवे के ध्वजवाहक के रूप में मध्य रेल की भूमिका को और भी मजबूत करती है, और हर क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए अपनी उत्कृष्ट क्षमता, सतत प्रयास और अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

उपेक्षित महिलाओं और उनके बच्चों के लिए विशेष शिविर का आयोजन

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज स्वयंसेवक अभियान के अंतर्गत, मुंबई नगर कलेक्ट्रेट की ओर से 'प्रेरणा स्वयंसेवक संस्था' के सहयोग से, पश्चिम खेतवाड़ी म्युनिसिपल स्कूल, फिफ्थ लेन, ग्रांट रोड, कमाठीपुरा में उपेक्षित महिलाओं और उनके बच्चों के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में आधार पंजीकरण, सेतु केंद्र के माध्यम से विभिन्न प्रमाण पत्र, राशन कार्ड पंजीकरण, मतदाता पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच केंद्र, संजय गांधी निराधार योजना और श्रमिक कल्याण योजना जैसी सुविधाएँ प्रदान की गईं। शिविर के दौरान, कमाठीपुरा क्षेत्र की महिलाओं और उनके बच्चों की प्राथमिक स्वास्थ्य जाँच की गई। बच्चों का नया आधार पंजीकरण भी किया गया। यह बात सामने आई कि विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में आवश्यक दस्तावेजों की कमी एक बड़ी समस्या है। मुंबई नगर जिला कलेक्टर ने मार्गदर्शन देते हुए संबंधित महिलाओं से विभिन्न सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए पहल करने का आग्रह किया।

'नवरात्रि के तीसरे दिन, मुंबई स्थित आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र कार्यालय की महिलाएं नीले रंग के परिधान में थीं'

मछुआरों के लिए कल्याण निगम की स्थापना नहीं, प्रक्रिया शीघ्र पूरी करें- मंत्री नितेश राणे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की संपूर्ण धनराशि खर्च करने की योजना तैयार करें। साथ ही, मत्स्य पालन एवं बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने निर्देश दिए हैं कि समुद्री एवं मीठे जल में मत्स्य पालन करने वाले मछुआरों के लिए कल्याण निगम की स्थापना की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए और इस महीने के अंत तक यह निगम स्थापित कर दिया जाए।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की समीक्षा बैठक आज मंत्रालय में आयोजित की गई। इस अवसर पर मंत्री नितेश राणे बोल रहे थे। इस अवसर पर मत्स्य विभाग के सचिव एन. रामास्वामी, मत्स्य पालन आयुक्त किशोर तावड़े और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में बड़ी मात्रा में धनराशि बुनियादी ढांचे के

विकास पर खर्च किए जाने का उल्लेख करते हुए, मंत्री नितेश राणे ने कहा कि इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का काम फरवरी तक पूरा कर लिया जाए और इसके लिए पूरी धनराशि खर्च की जाए। साथ ही, जिन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का काम अभी शुरू नहीं हुआ है, उनकी योजना को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना 2 में शामिल करने के लिए कदम उठाए जाएं। 100 प्रतिशत धनराशि खर्च करने के लिए व्यक्तिगत लाभार्थी योजनाओं पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। व्यय की योजना मामले-दर-मामला आधार पर बनाई जानी चाहिए, मंत्री नितेश राणे ने इस अवसर पर यह भी कहा।

मंत्री नितेश राणे ने कहा कि मछुआरों के लिए स्थापित किए जा रहे महाराष्ट्र समुद्री मछुआरा कल्याण निगम और महाराष्ट्र भूजल मछुआरा कल्याण निगम की स्थापना की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। इन निगमों के माध्यम से मछुआरों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए काम किया जाएगा। इसलिए इसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंत्री श्री राणे ने यह भी निर्देश दिए कि इन दोनों निगमों की स्थापना की प्रक्रिया इस महीने के अंत तक पूरी कर ली जाए।

सम्पादकीय

जब बोलने की आजादी पर हो सवाल, क्या हर शब्द अपराध बन सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने क्यों कहा- अब बदलाव जरूरी

अभिव्यक्ति का अधिकार लोकतंत्र का जीवन-तत्त्व है। अगर किसी भी वजह से इस अधिकार को बाधित किया जाता है, तो इसका अंतिम नुकसान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को होगा। हालांकि कई बार ऐसी स्थितियां सामने आती हैं, जब किसी व्यक्ति की टिप्पणी को उसकी अभिव्यक्ति के तौर पर देखा जाता है, लेकिन वह किसी अन्य व्यक्ति की छवि को चोट पहुंचाती दिखती है। शायद यही वजह है कि कई बार अभिव्यक्ति की सीमा का भी सवाल उठाया जाता रहा है। ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, जिनमें किसी टिप्पणी को कोई व्यक्ति अपनी मानहानि के तौर पर देखता है और ऐसा करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करता है।

यानी यह संभव है कि एक व्यक्ति के अपने विचारों की अभिव्यक्ति को कानून के मुताबिक किसी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की श्रेणी में रखा जाए। मगर यह भी सच है कि इससे संबंधित कानून को स्वतंत्र आवाजों को दबाने और गैरजरूरी तरीके से परेशान करने के एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए इस संबंध में जो कहा है, वह अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में बेहद अहम साबित हो सकता है।

एक समाचार वेबसाइट से जुड़े मामले में अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि आपराधिक मानहानि को अब अपराध की श्रेणी से हटाने का समय आ गया है। अदालत की यह टिप्पणी संबंधित वेबसाइट पर वर्ष 2016 में प्रकाशित एक लेख को लेकर दायर आपराधिक मानहानि के मामले में सामने आई। भारत उन देशों में है, जहां मानहानि को कानूनन अपराध माना जाता है।

हालांकि कुछ अन्य देशों में यह मामला केवल नागरिक विवाद है, जिसमें मुआवजे की मांग की जा सकती है। भारत में इससे संबंधित कानून का असर इस रूप में देखा जाता है कि अक्सर राजनीतिक स्तर पर किसी संदर्भ में दो पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगाए जाते हैं तो उसमें कोई एक पक्ष आरोपों को अपने खिलाफ आपराधिक मानहानि बता कर कानूनी कार्रवाई की मांग करता है।

ऐसे कुछ मामले हो सकते हैं, जिनमें वास्तव में जानबूझ कर किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने की कोशिश की गई हो, लेकिन ज्यादातर मामलों में इस आरोप में घिरे व्यक्ति के खिलाफ शिकायत का कोई मजबूत आधार नहीं पाया जाता। वहीं इस कानून के तहत दर्ज मुकदमों के जरिए स्वतंत्र स्वरों को बाधित करने के मामले आम पाए जाते हैं। शायद यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून को कसौटी पर रखा है।

गौरतलब है कि इससे पहले वर्ष 2016 में शीर्ष अदालत ने ही एक मामले में आपराधिक मानहानि से संबंधित कानून को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया था। अब इसी अदालत ने जिस तरह मानहानि को अपराध की श्रेणी से हटाने की बात कही है, उसके अपने आधार हैं। यह छिपा नहीं है कि इस कानून का सहारा लेकर पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनीतिक विरोधियों की आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है।

कई बार किसी ऐसी टिप्पणी को भी मानहानिकारक बता दिया जाता है, जो तथ्यों पर आधारित होती हैं या उससे कोई बहस खड़ी हो सकती है। इस बात की संभावना हो सकती है कि कोई व्यक्ति किसी खास बयान या समाचार को अपनी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला माने, लेकिन अगर वह बयान या समाचार व्यापक जनहित के सवालों से जुड़ा है, तो उस पर विचार किया जाना और सही पक्ष सामने लाना देश की लोकतांत्रिक जड़ों को ही मजबूत करेगा।

आखिर कौन कर रहा है सांप्रदायिक तनाव भड़काने की साजिश?

प्रदेश के कानपुर में बारावफात जुलूस के दौरान लगे, 'आई लव मोहम्मद' बोर्ड से शुरू हुआ विवाद अब देशभर में फैल रहा है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव, बरेली, लखनऊ, महराजगंज, जालौन से लेकर कैसरगंज समेत कई शहरों में मुस्लिम समाज अत्यंत उग्रता के साथ जुलूस निकाल रहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बहुत ही सघन मुस्लिम बहुल इलाके में भी 'आई लव मोहम्मद' लिखा बैनर टांगा गया है जिसके कारण स्थानीय स्तर पर तनाव अनुभव किया गया। इन जुलूसों में कई जगह पुलिस से टकराव और पथराव भी हो रहा है। मुस्लिम समाज के लोग व मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में संलिप्त रहने वाले लोग इसे मुस्लिम समाज का जेन-जी आंदोलन कहकर आग में घी डालने का कुत्सित प्रयास करते नजर आ रहे हैं जो तनाव को और बढ़ा रहा है। सोची समझी रणनीति के अंतर्गत इस आंदोलन में नाबालिग बच्चों को आगजनी और पुलिस पर पथराव करने के लिए आगे किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश से शुरू हुयी ये अराजकता अब उत्तराखंड के काशीपुर और तेलंगना के हैदराबाद समेत देश के कई शहरों में पहुँच गई है। आइ लव मोहम्मद के समर्थन में उत्तराखंड में पुलिस बल पर सीधा पथराव तथा हमला किया गया, हमले में जिसमें महिला पुलिस कर्मी भी अभद्रता और मार पीट का शिकार हुयीं। पुलिस की गाड़ियाँ तोड़ दी गयीं। यही हाल गुजरात के गोधरा शहर में भी हुआ और महाराष्ट्र के नागपुर में भी। इन प्रदर्शनों के दौरान 'सिर तन से जुदा' आरै लब्बैक-लब्बैक जैसे बेहद आक्रामक और आपत्तिजनक नारे लगाए जा रहे हैं।

इस पूरे विवाद की पटकथा उत्तर प्रदेश के कानपुर से शुरू

हुई। कानपुर के रावतपुर में बारावफात जुलूस निकाला जा रहा था। जिस मार्ग पर जुलूस निकाला जा रहा था उसी रास्ते पर एक जगह "आई लव मोहम्मद" का साइन बोर्ड लगा दिया गया। इसको लेकर हिंदू पक्ष ने विरोध किया और आरोप लगाया कि यहां नई परंपरा शुरू की जा रही है। दोनों पक्षों में तनाव बढ़ता देखकर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और किसी प्रकार से मामला यह कहकर शांत करवाया कि नियम है कि जुलूस में किसी तरह की नई परंपरा नहीं डाली जाएगी। किन्तु बारावफात के जुलूस के दौरान कुछ लोगों ने नई परंपरा डालते हुए परंपरा वाली जगह पर ही टेंट और साइन बोर्ड फिर से लगवा दिया।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि, 'आई लव मोहम्मद' को लेकर कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। इस बीच संभवतः पूर्व नियोजित साजिश के अनुसार कानपुर में मुस्लिम पक्ष ने हिंदू पक्ष पर आरोप लगाया कि उसने साइन बोर्ड को फाड़ दिया था। वहीं हिंदू पक्ष ने इसका खंडन करते हुए कहा कि मुस्लिम पक्ष के जुलूस में शामिल लोगों ने हिन्दुओं के धार्मिक पोस्टर फाड़े। पुलिस के बीच-बचाव के बाद ऐसा लगा कि अब मामला शांत हो गया है। बाद में कानपुर पुलिस ने बारावफात के जुलूस के दौरान 'आई लव मोहम्मद' नाम का एक नया बोर्ड बनाकर नई परंपरा शुरू करने और सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने के लिए मुकदमा दर्ज किया।

इस बीच पहले से तैयार बैठे एआईएमआईएम नेता और सांसद असदुददीन ओवैसी ने सोशल मीडिया एक्स पर कानपुर पुलिस को टैग करते हुए एक पोस्ट लिखा कि, "आई लव मोहमद" कहना जुर्म नही है अगर है तो इसकी हर सजा मंजूर हैं। ओवैसी ने जिस पोस्ट को लेकर कोट किया था उसमें दावा किया गया था कि मुस्लिम पक्ष की ओर से कथित तौर पर नई परंपरा शुरू करने को लेकर पुलिस ने मुकदमा कर दिया है। इस बात की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है कि ओवैसी की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहों का बाजार गर्म होता गया और अब यह आग देश के अनेकानेक हिस्सों में फैलती जा रही है।

तमाम कट्टरपंथी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तत्व इस आग में घी डालने का प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो और कमेंट पोस्ट करके तनाव बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह सब कुछ उस समय हो रहा है जब हिन्दू पर्वो की नवरात्र से देवदीपावली तक एक लंबी श्रृंखला चलने वाली है।

इन सभी घटनाओं का पैटर्न लगभग एक ही जैसा नजर आ रहा है। बरेली के जखीरा मुहल्ले में 'आई लव मोहम्मद' लिखे कई पोस्टर लगे थे। इंस्पेक्टर सुभाष कुमार ने बताया कि भीड़ होने की सूचना पर, वे पहुंचे तो पाया कि वहां इत्तेहाद-ए- मिल्लत काउंसिल के महासचिव डा. नफीस खान भी थे। पुलिस के पहुंचने पर नफीस खान ने वहां पर उपस्थित लोगों को घर जाने के लिए कह दिया किंतु बाद में इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ उसमें डा. नफीस कुछ लोगों से कहते सुनाई दे रहे हैं कि मैंने इंस्पेक्टर को 'बहुत अपशब्द कहे। मैंने कहा कि, 'हाथ काट लूंगा, वर्दी उतरवा दूंगा'। जांच मे पता चला है कि पुलिस के मोहल्ले से लौटने के बाद नफीस ने भीड़ को भड़काने का प्रयास किया। नफीस बरेली में मौलाना तौकीर रजा खां की पार्टी आईएमसी के महासचिव हैं।

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इन जुलूसों में 10 साल से कम आयु के लड़कों तथा औरतों द्वार उग्र प्रदर्शन कराया जा रहा है। उन्नाव में हिंसक उपद्रव का नेतृत्व महिलाओ व बच्चो ने किया। बुर्कानशीं महिलाओं ने ही पुलिस बल पर पत्थर बरसाये ओर नाबालिगों ने 'सर तन से जुदा' के नारे लगाकर माहौल खराब किया। कठिनाई यह है कि हमारे देश के संविधान में नाबालिगों को केवल सुधार गृह भेज दिया जाता है और महिलाओं की प्रायः जल्दी गिरफ्तारी नही होती। वहीं दूसरी ओर तथाकथित संविधान रक्षक मुस्लिम तुष्टिकरण का खेल प्रारंभ कर देते हे। इन सभी उपद्रवियों को पता है कि उन्हें सभी छद्म धर्मनिरपेक्ष दलों का खुला समर्थन प्राप्त है। नाबालिगों को सोच समझ कर केवल इसलिए शामिल किया जा रहा है क्योंकि वह आसानी से छूट जाएंगे और सजा भी बहुत कम होगी।

भारत में सार्वजनिक जगहों पर बिना अनुमति पोस्टर बैनर लगाना गैरकानूनी है किंतु सभी लोग इसका उल्लंघन करते हैं। पुलिस का कहना है कि यह आंदोलन गुमराह करने वाला है। मुस्लिम तुष्टिकरण में संलिप्त नेता इस आंदोलन को अल्पसंख्यकों के दमन से उपजा आक्रोष बता रहे हैं और भाजपा व हिंदू संगठनों को दोष दे रहे हैं। एक पार्टी के प्रवक्ता तो तुष्टिकरण में इतने आगे बढ़ गए कि आंदोलन सम्बन्धी एफआईआर को ही संविधान विरोधी कृत्य बताने लगे। विगत दिनों बहराइच में एआईएमआईएम के नेता द्वारा स्थानीय महाराजा सुहेलदेव राजभर का अपमान करने के कारण भी तनाव उत्पन्न हो गया था।

इस प्रकार के तनाव उत्पन्न करने का प्रयास उस समय किया जा रहा है जब योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में देश का ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर है। योगी जी को अच्छी तरह से पता है कि उपद्रवियों व दंगाइयो से किस प्रकार निपटा जाता है। उत्तर प्रदेश की जनता को सरकार व योगी जी की रणनीति पर पर पूरा भरोसा है। यहां की पुलिस सतर्क भी है और कड़क भी। उत्तर प्रदेश प्रशासन इस आंदोलन की जड़ तक जाएगा और षड्यंत्रकारियों को ढूंढ निकालेगा।

खोखली मुस्कान और चमक-दमक का समाज, क्या हम भूल चुके हैं असली जीवन की सादगी?

दुनिया का चेहरा आज परत-दर-परत कृत्रिमता से ढका हुआ है। इंसान की मूल पहचान अब चेहरे पर नहीं, बल्कि उसके प्रदर्शन में देखी जाती है। कबीर ने कहा था- 'सांच बत्तीसों बाजै नहीं, झूठे लागै तूर।' झूठ का शोर गूंज रहा है और सच चुपचाप दम तोड़ता है। मानव समाज में आत्मीयता का स्थान प्रदर्शन ले चुका है। सोशल मीडिया हो या वास्तविक जीवन- हर ओर 'मैं कौन हूं' के बजाय 'लोग मुझे क्या समझें' की भावना मुखर है। इसी को देखकर एक शायर ने कहा था कि झूठ को सच का लिबास पहनाकर लोग बाजार में बेच रहे हैं।

आज व्यक्ति अपने सुख-दुख भी कैमरे की फ्लैश और सोशल मीडिया पर लिखी टिप्पणियों को पसंद करने वालों संख्या से प्रमाणित करवाना चाहता है। रिश्ते, भावनाएं और संवेदनाएं- सब इस आडंबरपूर्ण बवंडर में कहीं खो गए हैं। दिखावे की यह प्रवृत्ति हमें एक ऐसे मंच पर खड़ा कर रही है, जहां असली मूल्य खोते जा रहे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि एक औंस व्यवहार, एक टन उपदेश से बड़ा है। मगर आज उपदेश देना सहज है और आचरण करना भारी।

लोग स्वयं को नीति-नियमों और नैतिकताओं का प्रबल समर्थक दिखाते हैं, जबकि जीवन के व्यवहार में मात्र स्वार्थ प्रमुख होता है। 'दिखावे की दुनिया' वही है, जहां लोग मुस्कुराते चेहरे के भीतर छिपे हुए द्वंद्व को छिपा लेते हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि 'असत्येन न प्रीतियोगः', अर्थात असत्य से कभी स्थायी मैत्री संभव नहीं। अगर व्यक्ति पूरी दुनिया को धोखा देकर स्वयं को सफल समझता है, तो यह सफलता मिथ्या है। यह दिखावा जीवन के उस असली स्वरूप को विकृत कर देता है, जहां सादगी और सहजता का मूल्य सर्वोच्च होना चाहिए।

अगर हम समाज का अवलोकन करें तो पाएंगे कि शिक्षा, विवाह, उत्सव, यहां तक कि शोक तक में प्रदर्शन का बोलबाला है। शादी हो तो सोने-चांदी का प्रदर्शन, पर्व हो तो महंगे वस्त्रों का प्रदर्शन और सोशल मीडिया हो तो 'फालो' और 'लाइक' करने वालों का प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन। यही कारण है कि इंसान भीतर से खोखला होता जा रहा है। किसी शायर ने कहा कि तस्वीरें मुस्कुराती हैं, घरों में सन्नाटा है, क्या खूब ये दिखावे का जमाना आया है। इस जमाने में सुख-दुख नहीं, बल्कि उनकी सजावट महत्त्वपूर्ण हो गई है। जैसे जीवन का मूल्य उसके 'फिल्टर' और 'कैप्शन' से तय होता है। असलियत

के दर्द और संघर्ष अब पर्दे के पीछे छिपा दिए जाते हैं।

दिखावे की इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि इंसान अपनी मूल पहचान से कटता जा रहा है। समाज ने इन मूल्यों को त्यागकर कृत्रिम सुंदरता और असत्य की चकाचौंध को स्वीकार कर लिया है। अब लोग चाहते हैं कि उन्हें उनकी अच्छाइयों से नहीं, उनके ठाठ-बाट से आंका जाए। हमारी दुनिया 'स्वयं' बनने से बचकर 'कोई और' बनने की ओर दौड़ रही है। यही कारण है कि प्रतिस्पर्धा और तुलना ने मनुष्यों में ईर्ष्या, अवसाद और असंतोष को बढ़ा दिया है।

अगर हम ईमानदारी से सोचें, तो दिखावे से न केवल व्यक्ति, बल्कि पूरा समाज क्षतिग्रस्त हो रहा है। रिश्ता भरोसे पर नहीं, दिखावे पर टिकता है। मित्रता सच्चाई पर नहीं, लाभ-हानि पर पनपती है। यही कारण है कि हमारी वास्तविक आत्मीयता धीरे-धीरे नष्ट हो रही है। कबीर ने कहा- 'माया मरी न मन मरा, मर-मर गया शरीर। आशा तृष्णा न मरी, कह गए दास कबीर।' यहां माया ही दिखावे का दूसरा नाम है, जो व्यक्ति को निरंतर असंतोष और द्वंद्व में रखती है। आज का समाज भौतिकता की चकाचौंध में खोकर आत्मा के सत्य और शांति से दूर हो रहा है।

आवश्यकता है कि हम इस आडंबर की परतें उतारकर सादगी और सत्य की ओर लौटें। प्रेमचंद ने कहा था- 'सादगी में ही सबसे बड़ी खूबसूरती है।' अगर हम अपने जीवन को गंभीर दृष्टि से देखें, तो पाएंगे कि वास्तविक संतोष केवल वहीं है, जहां दिखावा नहीं, बल्कि सच दिल से प्रकट होता है। हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि लोग हमें क्या समझेंगे, बल्कि यह कि हमारे कर्म हमें क्या बना रहे हैं। वैसे भी चेहरे पर हजार पर्दा रख लीजिए, फिर भी दिल का सच दिख ही जाता है। अगर दुनिया सच को दबाकर केवल दिखावे पर टिकी रहे, तो यह सभ्यता बिखर जाएगी। इसलिए आत्मीयता, सत्य और सादगी से ही जीवन और समाज की असल सुंदरता बनी रह सकती है।

दिखावे की इस चमचमाती दुनिया में जब हम गहराई में उतरते हैं, तो सचमुच आत्मा कांप जाती है। यह संसार मानो एक रंगमंच बन चुका है, जहां हर कोई मुखौटा पहनकर अपने किरदार में व्यस्त है। चेहरे पर मुस्कुराहट और भीतर अंधकार- यही आज का सबसे बड़ा विरोधाभास है। लेकिन सवाल उठता है कि कब तक हम इस कृत्रिमता को ढोते रहेंगे? क्या जीवन इतना ही है कि लोग ताली बजा कर हमारी सराहना कर दें और हम भीतर से खोखले हो जाएं?

असल जीवन तो वही है, जहां सादगी की मांसलता और सत्य की सुगंध हो। जब इंसान अपनी आंखों से पर्दा हटाता है और दिल से बोलता है, तभी प्रेम जन्म लेता है, तभी आत्मीयता पनपती है, तभी जीवन सुंदर बनता है। बड़ों ने कहा है- 'सत्य में ही अमरत्व है, असत्य में केवल क्षणिक चमक।' सच उनके शब्दों की तरह अमर है, और झूठ की यह रोशनी पल दो पल में बुझ जाती है। एक शायर का यह दर्द इन पंक्तियों में गूंजता है- 'हकीकत छिप गई है नकाबों के नीचे, हर इंसान अब किरदारों के नीचे।' समाज तभी बदल सकता है, जब इंसान इस दिखावे की जंजीरों को तोड़कर अपने असली रूप को स्वीकार करे।

पेड़ नहीं हम अपनी जड़ काट रहे हैं, जंगल खत्म कर सोसाइटी खड़ी करेंगे तो कल जिएगा कौन

सभ्यता की शुरुआत से ही प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध रहा है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, लेकिन आज ऐसा लगता है कि इंसान को प्रकृति की उतनी परवाह नहीं रह गई है। इसमें दोराय नहीं कि पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन विकास इंसानी सभ्यता का एक जरूरी पहलू है। पहले जहां जंगल थे, चारों तरफ हरियाली थी, वहां अब सब कुछ सिमटता नजर आ रहा है। बढ़ती आबादी के समांतर विकास एक अपरिहार्य स्थिति है। मगर इस क्रम में अनेक जगहों पर पेड़ों की अनियंत्रित कटाई के साथ ही जंगलों की स्थिति ऐसी कर दी गई है, जिससे आज पारिस्थितिकी के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो रहा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों से जंगल लगातार कम होते जा रहे हैं।

ऐसे दौर में, जब पर्यावरण विशेषज्ञ दुनियाभर में घटते जंगलों पर चिंता जता रहे हों, भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआइ) की रपट ने थोड़ी राहत दी है। इसके मुताबिक, वर्ष 2021 से 2023 तक भारत का कुल वन और वृक्ष आवरण क्षेत्र 1, 445 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है। देश को हरा-भरा रखने में मध्य प्रदेश सबसे आगे है। अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और ओड़ीशा में भी दो साल पहले के मुकाबले हरियाली बढ़ी है। इससे संकेत मिलते हैं कि देश में कई वर्षों से जारी सामाजिक वानिकी, वन उत्सव और वृक्षारोपण जैसी योजनाओं का असर दिखने लगा है। हालांकि रपट में ये तथ्य चिंताजनक है कि उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के राज्यों में वन एवं वृक्ष आवरण क्षेत्र घटा है।

पहली नजर में यह तथ्य राहत दे सकता है कि देश में पिछले दो वर्षों में वन और वृक्ष क्षेत्र का दायरा देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र के एक चौथाई से ज्यादा (25.17 फीसद) हो गया है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह दायरा बढ़ने के बावजूद पारिस्थितिकी संतुलन की दृष्टि से लक्ष्य फिलहाल काफी दूर है। राष्ट्रीय वन नीति-1988 के मुताबिक, पारिस्थितिकीय स्थिरता कायम रखने के लिए देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का कम से कम एक तिहाई हिस्सा वन क्षेत्र होना चाहिए। एफएसआइ ने सर्वेक्षण रपट की शुरुआत वर्ष 1987 में की थी। तब से अब तक ये हिस्सेदारी करीब दो फीसद ही बढ़ी है।

जाहिर है, दुनिया के दूसरे देशों की तरह जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण भारत में भी जंगल प्राकृतिक तौर पर फल-फूल नहीं पा रहे हैं। विकास परियोजनाओं की अहमियत से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन खनन के लिए जंगलों की कटाई बड़ी समस्या है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी समय-समय पर चिंता जताई है।

गौरतलब है कि हरियाली क्षेत्र में जो बढ़ोतरी दर्ज की गई है, उसका अधिकतर हिस्सा प्राकृतिक वन क्षेत्र से बाहर है, जो वृक्षारोपण और कृषि आधारित वानिकी का नतीजा है। निश्चित रूप से इन प्रयासों का अपना महत्त्व है, लेकिन प्राकृतिक वन क्षेत्र के भरे-पूरे पेड़ों की तुलना शहरों में पौधरोपण अभियान से तब तक नहीं हो सकती, जब तक कि लगाए गए पौधे पूरी तरह विकसित नहीं हो जाते।

ऐसे में वन संशोधन अधिनियम (2023) को लेकर चल रही बहस की अहमियत भी बढ़ जाती है। इस संशोधन में गैर वर्गीकृत जंगल का संरक्षण हटाने की बात है। गौर करने की बात है कि इस श्रेणी में कुल वनक्षेत्र का सोलह फीसद से ज्यादा हिस्सा आ जाता है, जो बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संभावित से खतरे के दायरे में आ जाएगा। कहा जा सकता है, वृक्षारोपण और कृषि वानिकी के जरिए हरित क्षेत्र का दायरा बढ़ाने का प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय है, लेकिन प्राकृतिक वन क्षेत्र का संरक्षण भी उतना ही अहम है।

दुनिया तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रही है, लेकिन हकीकत यह है कि शहरीकरण हमारी प्रकृति के सामने कहीं ज्यादा चुनौती पेश कर रहा है। शहरों के विकसित होने के साथ-साथ दुनियाभर में हरियाली का दायरा सिकुड़ रहा है और कंक्रीट के जंगल बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं, बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी अब संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जबकि पर्यावरण का संबंध मानवीय जीवन में महत्त्वपूर्ण है। यों कहें कि दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। विकास अनिवार्य है, लेकिन आज विकास के आगे पर्यावरण को हाशिये पर छोड़ दिया गया है। ऐसा लगता है कि मनुष्य को भविष्य की कोई चिंता ही नहीं है।

आज बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए दुनिया भर में वनों की कटाई हो रही है। बिगड़ते पर्यावरण से देश की जड़ी-बूटियां लुप्त होने के कगार पर हैं। फसलों और फलों के उत्पादन पर भी इसका प्रभाव पड़ने लगा है। बिगड़ते पारिस्थितिकी तंत्र का जो परिणाम सामने आने वाला है और कई अर्थों में मनुष्य को झेलना भी पड़ रहा है, उसके मद्देनजर वन और वन्यजीवों के संरक्षण को लेकर सजग होने का समय है। प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के लिए वन बहुत आवश्यक हैं। मगर सच यह है कि विकास ने पर्यावरण के स्वरूप को एकदम से बदल दिया है। विकास की अनिवार्यता से किसी को इनकार नहीं हो सकता। मगर क्या मनुष्य अपने स्वार्थ और लालच में प्रकृति का बेलगाम दोहन कर अपने ही भविष्य की बुनियाद को दांव पर लगा सकता है? गौर करने वाली बात है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेड़ों की कटाई से हर साल करीब एक करोड़ हेक्टेयर वन क्षेत्र घट रहा है।

भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में चौड़ी और निर्बाध सड़कें तथा हवाई अड्डा बनाने के लिए वनों की कटाई की गई। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि जंगलों की कटाई से होने वाले नुकसान की भरपाई सिर्फ वृक्षारोपण से नहीं की जा सकती, क्योंकि जंगल कटने के कारण प्रकृति की लय बिगड़ने से नए खतरे सिर उठाते हैं। ऐसे में मानव सभ्यता को इन खतरों से बचाने के लिए वैश्विक स्तर पर जंगलों की रक्षा की दूरगामी रणनीति बनाना जरूरी है।

विकास और पर्यावरण को अक्सर अलग-अलग एवं एक-दूसरे का विरोधी समझा जाता है, लेकिन अगर इन दोनों को साथ लाए बिना वर्तमान में पर्यावरण और आर्थिक चुनौतियों का सामना करने की कोशिश की जाएगी, तो काफी कठिन स्थिति बन जाएगी। बहुत कम ऐसा देखने को मिलता है, जब विकासात्मक परियोजनाओं को पारित करने से पहले उनके संभावित पर्यावरण परिणामों पर विशेष संवेदनशीलता के साथ विचार किया जाता है।

बदलती दुनिया के साथ आज कई चुनौतियां सामने हैं, जिनमें पर्यावरणीय संकट सबसे महत्त्वपूर्ण है। मौजूदा विकास की गति और स्वरूप ने पर्यावरणीय संसाधनों के ऊपर दबाव बना दिया है। पर्यावरण संकट और अनिश्चितता को देखते हुए दुनिया भर में जैसे प्रयास किए जा रहे हैं, उसमें ईमानदारी और समस्या की जड़ में जाने का अभाव दिख रहा है।

बीते दो दशक में यह स्पष्ट हुआ है कि वैश्वीकरण की नवउदारवादी और निजीकरण की नीतियों ने हमारे सामने बहुत-सी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इससे आर्थिक विकास का ढांचा डगमगाने लगा है। भूख, खाद्य असुरक्षा और गरीबी ने न केवल विकासशील और गरीब देशों पर असर डाला है, बल्कि विकसित देशों को भी परेशानी में डाल दिया है। ईंधन और जैव-विविधता से जुड़े संकटों ने भी आर्थिक विकास पर असर दिखाया है। इस विषम स्थिति में अपने जीवन की रक्षा के लिए भी हमें विकास के समांतर धरती को बचाने का संकल्प लेना होगा।

जीएसटी सुधार देश की अर्थव्यवस्था, व्यापारिक सुविधा एवं जनता की जेब बचाने का ऐतिहासिक कदम : स्वतंत्र देव सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जीएसटी सुधार 2025 को लेकर चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस के सभागार में भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता की अध्यक्षता में प्रेसवार्ता का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के जल शक्ति कैबिनेटमंत्री एवं प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव ने कहा कि यह नवरात्रि के प्रथम दिन से पूरे देश की जनता को जीएसटी का उपहार मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री सीतारमन के नेतृत्व में नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों के लिए अहम कदम है। इसके प्रति माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं उन्होंने कहा कि जीएसटी में सुधारों से 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की सरल दो दर संरचना लागू की गई हैं। तो वहीं विलासिता और लग्जरी सामान पर 40 फीसदी दर है। यह सुधार घरों के खर्च कम करेंगे किसानों को सशक्त बनाएंगे और कारोबार को गति देंगे। जनता को दूध पनीर शैंपू, साबुन साइकिल और बच्चों के सामान जैसे जरूरी घरेलू सामान पर राहत मिलेगी। ट्रैक्टर टायर, कीटनाशक और सिंचाई उपकरणों पर पांच प्रतिशत जीएसटी से किसानों को लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में इलाज सभी के लिए सस्ता होगा। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई 2017 को एक देश एक कर एक बाजार के सिद्धांत के साथ जीएसटी चालू किया गया। अब इसमें सुधार किया गया। जीएसटी लागू होने के बाद भारत का अप्रत्यक्ष कर संग्रह तेजी से बड़ा है 2014 से 5.44 लाख करोड़ से बढ़कर 2024 में रिकॉर्ड 22.08 लाख करोड़ हो गया है जो 350 प्रतिशत

से ज्यादा की ऐतिहासिक वृद्धि दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इससे प्राप्त राजस्व बेहतर साल को स्कूलों अस्पताल और दैनिक जीवन के आसान करने वाली सुविधाओं के माध्यम से देश को समर्पित रूप से वापस दिया जाता है। और देश का विकास हुआ और आगे कहा कि जीएसटी सुधार नए भारत के इतिहास के आर्थिक मील का पत्थर साबित होगा और एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार का सपना साकार हो रहा है और जीएसटी की वजह से कई क्षेत्रों में लाखों रोजगार सृजन हुए और शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई और चेक पोस्टों पर हो रही रिश्वतखोरी बंद हुई जिसके कारण आम जनता को सीधा लाभ मिल रहा है उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार 2025 देश की आवश्यकता व्यापारिक को सुविधा एवं जनता की जेब बचाने में एक क्रांतिकारी कदम है।

जीएसटी सुधार 2025 में 90इ वस्तुएं लगभग 28इ से 18इ पर आ चुकी है और सामान्य दरों में जीएसटी 12इ से 5इ कर दिया गया यानी कि आम गरीब को इससे सीधा लाभ मिलेगा और 33 प्रकार की जीवन रक्षक दवाई जीएसटी से मुक्त कर दिया गया। प्रेस वार्ता में सांसद प्रवीण पटेल महापौर गणेश केसरवानी एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, विधायक दीपक पटेल, विधायक वाचस्पति महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता जिला अध्यक्ष यमुना पार , राजेश शुक्ला गंगा पार निर्मला पासवान, आशीष गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी यमुना पार दिलीप चतुर्वेदी, जिला मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, पवन श्रीवास्तव सह मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा, गंगा पार मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी एवं बृजेश त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

कैबिनेटमंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मुंडेरा एवं सुलेम सराय बाजार में भ्रमण कर व्यापारियो जीएसटी सुधार के फायदे गिनाएं

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सुलेम सराय एवं मुडेरा बाजार में व्यापारियों से मुलाकात की तथा मंत्री ने उएऊ घटी मुनाफा बढ़ी का पोस्टर लगाया और व्यापारियों के साथ संवाद स्थापित किया इसके अलावा व्यापारी नेता धनंजय सिंह पटेल के आवास पर व्यापारियों के साथ बैठक की और जीएसटी सुधार के फायदे गिनाएं। इस दौरान सांसद प्रवीण पटेल विधायक दीपक पटेल , महापौर गणेश केसरवानी, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी , विक्रम सिंह भदौरिया, आंनद जायसवाल, प्रेमनारायण केसरवानी, राजेश केसरवानी उमेश तिवारी, राकेश जैन, विवेक मिश्रा, दिग्विजय सिंह, पार्षद अमर जीत सिंह, दीपक कुशवाहा, शिखा रस्तोगी, रूपेश कुशवाहा, पवन मिश्रा आदि मौजूद रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में जन्मोत्सव पखवाड़े के अन्तर्गत बुधवार को स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निर्देशन में स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने फीता काटकर किया। इस आयोजन में विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सक दलों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

जिनमें आरोग्यम आयुर्वेद एवं पंचकर्म केंद्र, सूर्य प्रभा आयुर्वेद एवं पंचकर्म केंद्र, विनीता हॉस्पिटल, शांतिपुरम, आशा डेंटल हॉस्पिटल के डॉ अंशुल शुक्ला दंत चिकित्सक एवं उनकी टीम द्वारा, यश फिजियोथेरेपी सेंटर से आए चिकित्सा विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के निदेशकों, प्रभारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए। शिविर में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा की प्रभारी प्रो. मीरा पाल, आयोजन सचिव अनुराग शुक्ला, योग चिकित्सा प्रभारी अमित सिंह, एक्यूप्रेशर चिकित्सा प्रभारी निकेत सिंह, आहार एवं पोषण विशेषज्ञ डॉ. जूमि सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने स्वास्थ्य परीक्षण हेतु आए चिकित्सकों एवं उनकी टीम का स्वागत किया।

धानमंत्री के जन्मोत्सव पखवाड़े में मुविवि में चलाया सफाई अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित जन्मोत्सव पखवाड़ा (17 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर 2025) में स्वच्छता अभियान चलाया गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, प्रभारी, कुलसचिव, आचार्य, सह-आचार्य, सहायक आचार्य, परामर्शदाता, शोध छात्र एवं कर्मचारियों ने सरस्वती परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान में सभी ने परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। तदुपरांत स्वच्छ भारत एवं विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए कुलपति ने स्वच्छता का शपथ दिलाई। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में कार्यरत समस्त स्वच्छता कर्मयोगियों को कुलपति ने अंगवस्त्र एवं मिष्ठान देकर सम्मानित किया। गया। इस अवसर पर सभी ने विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

थरवई रोजगार मेले में 93 युवाओं को मिला रोजगार

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को पंडित हनुमत दत्त त्रिपाठी इंटर कॉलेज, इस्माइलगंज में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के तत्वावधान में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया।मेले में सुबह से ही क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बेरोजगार युवक-युवतियां पहुंचना शुरू हो गए। कुल 240 अभ्यर्थियों ने रोजगार मेले में अपना पंजीकरण कराया। मेले में 10 निजी कंपनियों ने प्रतिभाग करते हुए युवाओं के साक्षात्कार लिए। चयन प्रक्रिया के बाद 70 युवक और 23 युवतियों समेत कुल 93 बेरोजगारों को विभिन्न कंपनियों में नौकरी का अवसर प्राप्त हुआ। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनियों की ओर से 11 हजार से लेकर 21 हजार रुपये तक का वेतन पैकेज ऑफर किया गया।मेले में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चयनित अभ्यर्थियों के चेहरों पर रोजगार मिलने की खुशी साफ झलक रही थी। आयोजकों का कहना था कि इस प्रकार के रोजगार मेले समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज प्रबंधक महेश दत्त त्रिपाठी रहे, जबकि अध्यक्षता उप प्रबंधक बृजेश पति त्रिपाठी ने की। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय से विश्व मोहन द्विवेदी तथा कॉलेज के प्रधानाचार्य वेद प्रकाश मिश्रा भी मौजूद रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, कॉलेज स्टाफ एवं अभिभावकगण भी उपस्थित रहे।

हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान की ओर से बृज बिहारी स्कूल, शिवकुटी में शिक्षक कार्यशाला आयोजित

राष्ट्र की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने की आवश्यकता : प्रो गिरीश त्रिपाठी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान, प्रयागराज की ओर से बृज बिहारी स्कूल, शिवकुटी में शिक्षक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रो गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने सांस्कृतिक एवं नैतिक प्रशिक्षण पहल फाउंडेशन (आईएमसीटीएफ) की भूमिका और इसके उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा की। प्रो त्रिपाठी ने कहा कि देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने की आवश्यकता है।

शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के तहत किया जा रहा है। यह एक ऐसा संगठन है जो भारत की एक यथोचित छवि बनाने और उसकी गलत धारणाओं को दूर करने का प्रयास कर रहा है। शिक्षकों को इस संगठन की कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो शिक्षकों को उनकी भूमिकाओं को बेहतर बनाने और राष्ट्र के विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित करेगी। कार्यशाला के माध्यम से शिक्षकों को भारतीय संस्कृति और विरासत, शिक्षकों को भारतीय संस्कृति, इतिहास और परंपराओं के बारे में जानकारी देना है।

एचएसएसएफ पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संयोजक और वरिष्ठ प्रचारक अमरनाथ ने कहा कि हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान छह सिद्धांतों को लेकर कार्य कर रहा है। जिसमें वन एवं वन्य जीव का संरक्षण, पारिस्थितिकी संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, पारिवारिक एवं मानवीय मूल्यों की अभिवृद्धि, नारी सम्मान और राष्ट्रभक्ति भाव जागरण आदि शामिल हैं।

मेजर जनरल धर्मराज राय ने कहा कि पेड़ पौधों और वन्य जीवों के प्रति सम्मान, सभी प्राणी प्रजाति और वनस्पति के लिए सम्मान, धरती माता, नदियों एवं प्रकृति के प्रति सम्मान, माता पिता, शिक्षकों एवं अपने से बड़ों के प्रति सम्मान, बालिकाओं एवं मातृत्व का सम्मान, राष्ट्र एवं राष्ट्रीय वीर योद्धाओं के प्रति सम्मान का भाव जागृत करना है। इस मौके पर प्रो गिरीश चंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ प्रचारक अमरनाथ, मेजर जनरल धर्मराज राय, एस के तिवारी और संजय शुक्ला को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के सचिव प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्रा ने किया। स्वागत भाषण सत्यव्रत मिश्रा का रहा। इस मौके पर बीबीएस के प्रबंधक रणजीत सिंह, अनिरुद्ध ओझा, मानव चौरसिया, नागेंद्र जायसवाल, अरुण दुबे, भोला तिवारी आदि रहे। आभार ज्ञापन रणजीत सिंह ने किया।

बीएसए ने बच्चों के साथ केक काटकर मनाया मीना का जन्मदिन

महिलाओं को अधिकारों के प्रति किया जा रहा जागरूक : बीएसए

महिला सशक्तिकरण के लिए निकाली जागरूकता रैली

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज।विकासखंड भगवतपुर में मिशन शक्ति फेज -5 के तहत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज देवब्रत सिंह के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कंपोजिट विद्यालय पीपल गांव में मीना कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के साथ केक काटकर मीना का जन्मदिन आज मनाया गया। स्वच्छता थीम पर केंद्रित रैली, प्रभात फेरी निकाली गयी। यह रैली पीपल गांव विद्यालय से होकर ट्रिपलआईटी चौराहे से ग्राम सभा शाहपुर तक गई।

इसी प्रकार कंपोजिट विद्यालय असरावे कला के बच्चों ने महिला सशक्तिकरण विषय पर जागरूकता रैली / संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कंपोजिट विद्यालय घोसी जलालपुर के बच्चों ने महिला स्वावलंबन विषय पर केंद्रित रैली का आयोजन किया। रैली में बच्चों ने उत्साह के साथ

प्रतिभाग किया। बच्चे हाथ में इन विषयों से संबंधित बैनर, झंडी आदि ले रखा था।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवब्रत सिंह ने कहा कि मिशन शक्ति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और समाज में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस अभियान के माध्यम से सरकार महिलाओं/बच्चियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है और उन्हें समाज में समान स्थान दिलाने के लिए प्रयासरत है। इस अभियान के पांचवे चरण की शुरुआत हो चुका है, जिसके जरिए महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके अधिकारों को बढ़ावा देने का संदेश दिया जा रहा है। इस बार मिशन शक्ति की थीम है 'सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश'. यह अभियान महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है, यह चरण 22 सितंबर 2025 से शुरू होकर 30 दिनों तक चलेगा, इस दौरान अधिकारी गांवों और वार्डों में जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करेंगे व संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे । रैली/प्रभात फेरी / संगोष्ठी में शिव औतार खण्ड शिक्षा अधिकारी भगवत पुर, ग्राम प्रधान गण, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य, माँ समूह के सदस्य, अभिभावक गण, शिक्षक गण उपस्थित रहे।

कम शुल्क पर आनलाइन शिक्षण के साथ पढने के लिये दी जाती है किताबें, सीबीएसई, आईसीएसई की तरह डिग्रियां है मान्य शिक्षण के लिये बेहतर है एनआईओएस : डा सत्यानंद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नेशनल ओपन स्कूल (एनआईओएस) शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत संचालित ओपन शिक्षा प्रणाली है जिसको सीबीएसई, आईसीएसई के बराबर ही मान्यता है। ऐसे विद्यार्थी इंजीनियरिंग, मेडिकल डिफेंस की तैयारी करते हैं उनके लिए एनआईओएस बोर्ड स्कूलिंग के लिए बेहतर आप्शन है, क्योंकि विद्यालय ना जाने की अनिवार्यता ना होने के कारण विद्यार्थीयों के लिए कंपटीशन की तैयारी के लिए पर्याप्त मौका मिलता है। यह जानकारी एनआईओएस के कोआर्डिनेटर डा सत्यानंद यादव ने पत्रकारों को आज सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में दी। उन्होंने बताया कि आज जहां पब्लिक स्कूलों की आसमान छूती फीस तथा महंगी पुस्तकों के बोझ से दबे हताश एवं परेशान अभिभावक को एनआईओएस एक आशा के किरण के समान है। एनआईओएस के कोआर्डिनेटर डा सत्यानंद यादव ने बताया कि दो वर्षों के अध्ययन के दौरान नाम मात्र के रजिस्ट्रेशन फीस के साथ एनआईओएस मुफ्त पुस्तकें प्रदान करता है, तथा विद्यार्थियों की सुविधा के आवश्यकतानुसार समय - समय पर व्यक्तिगत कक्षाओं का आयोजन करता है। एनआईओएस एक शैक्षिक वर्ष में दो बार (अप्रैल - मई) एवं (अक्टूबर - नवम्बर) में सार्वजनिक परीक्षायें आयोजित करने वाला एक मात्र बोर्ड है। जहाँ क्रेडिट संचयन की भी सुविधा है तथा एक बार रजिस्ट्रेशन कराने के उपरांत पांच वर्ष

के अन्तर्गत कभी भी परीक्षा देकर छात्र और छात्राएं उत्तीर्ण करने की सुविधा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि एनओआईएस के चार जिलों प्रयागराज, प्रतापगढ़, जौनपुर और कौशाम्बी का प्रयागराज में रिजनल सेण्टर है। एनआईओएस के कोआर्डिनेटर डा सत्यानंद यादव ने बताया कि एनआईओएस तीनों राष्ट्रीय बोर्ड (सीबीएसई/आईएससी/एनआईओएस) में से एक है। भारत सरकार ने इस संस्थान को माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सार्वजनिक परीक्षायें कराने तथा प्रमाण-पत्र देने का अधिकार प्रदान किया है तथा एनआईओएस के पाठ्यक्रमों का स्तर और समकक्षता किसी भी राष्ट्रीय / राज्य स्तर के विद्यालयी शिक्षा बोर्ड के अध्ययन के पाठ्यक्रमों के समान है तथा इसके माध्यम से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए किसी भी विद्यालय/विश्वविद्यालय में प्रवेश ले सकते है। एनआईओएस के कोआर्डिनेटर डा सत्यानंद यादव ने बताया कि आज आईआईटी, जेईई तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में एनआईओएस के बोर्ड परेसेन्टाइल रैक, सीबीएसई, आईसीएसई से प्राप्त प्रमाण पत्रों के बोर्ड परेसेन्टाइल रैक से अधिक होने के कारण इसकी प्रमाणिकता और भी बढ़ गई है।

एनआईओएस के कोआर्डिनेटर डा सत्यानंद यादव ने बताया कि एनआईओएस विजन प्वाइंट का स्टडी सेंटर- 210042 जो की कोरांव में स्थित है जिसका पहला सिटी फॉरवर्डिंग ऑफिस सिविल लाइंस पत्रिका चौराहे पर स्थित है एवं दूसरा ऑफिस लूकरगंज में स्थित है जो कि विद्यार्थियों के सुविधा के लिए है ताकि विद्यार्थी वहां पर जाकर आसानी से अपना प्रवेश ले सकें यहां पर नाम मात्र के प्रवेश शुल्क में विद्यार्थियों को ऑनलाइन कक्षाएं एवं पुस्तक भी प्रदान की जाती हैं यह प्रयागराज का सर्वप्रथम व उत्तर प्रदेश के सबसे बड़ी स्टडी सेंटर के रूप में जाना जाता है जिसके कोऑर्डिनेटर डॉ सत्यानंद यादव हैं जिन्होंने इस बोर्ड को पूरे उत्तर प्रदेश में पहचान दिलाई है और हजारों विद्यार्थी इस अध्ययन केंद्र से पास होकर अपना उज्जवल भविष्य बनाते हैं।

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय महानगर प्रयागराज में इलाहाबाद झांसी स्नातक निर्वाचन चुनाव को लेकर एक बैठक आयोजित की गई । जिसमें संयोजक, सहसंयोजक, विधानसभा संयोजक, सम्मिलित हुए । चुनाव में ज्यादा से ज्यादा संख्या में वितरित हुए फॉर्म को एकत्रित करना वह बूथ स्तरों पर वितरित फार्मो को एकत्रित करने पर बल दिया गया। आज की बैठक में सत्यव्रत मिश्रा गौरव को शहर उत्तरी विधानसभा का प्रभारी मनोनीत किया गया। महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता जी द्वारा उन्हें अंग वर्ष तथा माला पहनकर स्वागत भी किया गया। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने की बैठक को इलाहाबाद झांसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के जिला संयोजक डॉ शैलेश कुमार पाण्डेय ने संबोधित किया। कार्यक्रम में मनोज कुमार मिश्रा, विजय कुमार श्रीवास्तव, गणेश पांडे, दीप द्विवेदी और रणविजय सिंह, मोनिका अरोड़ा सहित अनेकों लोगों उपस्थित थे।

भिवंडी में शिवसेना की रणनीतिक बैठक, मतदाता सर्वेक्षण और नई नियुक्तियों पर जोर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आगामी महानगर चुनावों की आहट के बीच भिवंडी में शिवसेना ने संगठन को धार देने की कवायद तेज कर दी है। सोमवार को शहर शाखा अजयनगर में हुई एक अहम बैठक में पार्टी ने प्रभागवार मतदाता सर्वेक्षण की जिम्मेदारी पदाधिकारियों को सौंपी और युवासेना समेत कई विभागों में नई नियुक्तियां भी घोषित कीं। बैठक में भिवंडी महानगरपालिका संपर्क प्रमुख किशोर पोटदार, जिल्हा प्रमुख मनोज गगे, शहर प्रमुख प्रसाद पाटील और सचिव नितेश दांडेकर सहित वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। उनकी देखरेख में प्रभाग क्रमांक 4, 10, 12, 15, 16, 17 और 22 की मतदाता सूची सर्वेक्षण की जिम्मेदारी संबंधित पैनल प्रमुखों और शाखा अधिकारियों को सौंप दी गई।

जिम्मेदारियों का ब्योरा इस प्रकार तय किया गया। प्रभाग 4 में उपशहर प्रमुख स्वप्नील जोशी, विभाग प्रमुख हर्षल राऊत और शाखा प्रमुख लक्ष्मण हुंबारकर को जिम्मेदारी दी गई। प्रभाग 10 में विभाग प्रमुख अमोल साळुंखे, शाखा प्रमुख कुणाल बने, सागर चिंताचींदी और प्रविण उसाकोयल को जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रभाग 12 में विभाग प्रमुख अरशद शाह, उपविभाग प्रमुख शकील खान, मोहम्मद सैफ शेख और शाखा प्रमुख इक्बाल शेख को कार्यभार दिया गया।

प्रभाग 15 और 16 की जिम्मेदारी भारतीय कामगार सेना अध्यक्ष नजीर शेख और उपाध्यक्ष सादिक शेख को मिली। प्रभाग 17 में विभाग प्रमुख करमचंद सरवदे और उपविभाग प्रमुख रत्नकांत वाघमारे को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी कार्यक्रम में युवासेना की नियुक्तियां भी घोषित की गईं। उपशहर अधिकारी के रूप में प्रथमेश पाटील, शेलार विभाग युवा सेना शाखा अधिकारी दिग्विजय सिंह यादव, नेहरू नगर विभाग शिवसेना विभाग प्रमुख अरशद शाह, मुमताज नगर-शांतीनगर उपविभाग प्रमुख मोहम्मद सैफ शेख और शकील खान (गौसिया मस्जिद) तथा शाखा प्रमुख सलीम शेख की नियुक्ति की गई।बैठक के समापन पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि आने वाले दिनों में जनता के बीच शिवसेना की पकड़ और मजबूत की जाएगी तथा संगठनात्मक स्तर पर बूथ से लेकर शहर तक सक्रियता दिखाई जाएगी।यह बैठक न केवल शिवसेना की चुनावी रणनीति का संकेत देती है बल्कि भिवंडी में पार्टी की जमीनी पकड़ बढ़ाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

दर्जनों मौतों के बाद भी गड्ढों पर चुप्पी

भिवंडी में सड़कों की बदहाली पर तीसरे दिन भी आंदोलन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर की सड़कों पर गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं। बारिश के मौसम में अब तक दर्जनों लोग इन गड्ढों के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बावजूद नगर प्रशासन और पीडब्ल्यूडी खामोश बैठा है। सीमेंट आरसीसी रोड और पेवर ब्लॉक के बीच बने गेप लगातार हादसों को दावत दे रहे हैं। शहर की मुख्य सड़कों के साथ-साथ उड़ान पुल भी गड्ढों की बीमारी से ग्रस्त है। हालत यह है कि हादसों के दौरान कई लोग पुल से नीचे गिरकर अपनी जान गंवा चुके हैं। नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही का आलम यह है कि हर बार करोड़ों रुपये खर्च कर मरम्मत और पुनर्निर्माण का दावा किया जाता है, लेकिन बरसात आते ही डामर की परत पानी में बह जाती है और सड़कें फिर से पुराने हाल में लौट आती हैं। इस भ्रष्ट तंत्र और गैरजिम्मेदारी ने आम जनता की जान जोखिम में डाल दी है।इसी गंभीर स्थिति को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता जाहिद मुक्तार ने नगर पालिका मुख्यालय के सामने धरना आंदोलन शुरू किया है। लगातार तीसरे दिन भी वे सड़क पर डटे रहे। उनके आंदोलन को कई सामाजिक संगठनों और पदाधिकारियों का समर्थन मिल चुका है।

बावजूद इसके, नगर प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। जाहिद मुक्तार का कहना है, 'भिवंडी में गड्ढों की वजह से मौतें होना प्रशासनिक हत्या से कम नहीं है। यदि तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और व्यापक होगा।'स्थानीय नागरिकों का गुस्सा भी सातवें आसमान पर है। लोगों का कहना है कि करदाताओं के पैसे से बनी सड़कें हर साल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं, और कीमत आम जनता को अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है। नगर प्रशासन की चुप्पी अब सवालों के घेरे में है। दर्जनों मौतों के बावजूद यदि त्वरित कदम नहीं उठाए गए तो जनता का आक्रोश बड़ा आंदोलन बन सकता है। यह स्थिति नगर पालिका के लिए गंभीर चुनौती साबित हो सकती है।

भिवंडी मनपा स्कूल नं. 20 में मूलभूत सुविधाओं का अभाव, छात्रों की पढ़ाई प्रभावित

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निजामपुरनिजामपुर शहर महानगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मनपा स्कूल क्रमांक 20 के विद्यार्थियों और शिक्षकों को बीते चार महीनों से गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल में न तो बिजली की सुविधा है, न शौचालय और न ही स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था,जिसके चलते शिक्षा का माहौल बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन के भिवंडी शहर अध्यक्ष मोमिन दिलशाद अहमद ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर इस ओर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि स्कूल का बिजली मीटर कनेक्शन अभी तक जोड़ा ही नहीं गया है। इसके कारण कक्षाओं में पंखे और रोशनी बंद पड़े हैं। गर्मी और उमस भरे माहौल में विद्यार्थी परेशान रहते हैं। वहीं, शौचालय और पीने के पानी की अनुपलब्धता से बच्चों और शिक्षकों की मुश्किलें और बढ़ गई है ।दिलशाद अहमद का कहना है कि यह स्थिति शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का सीधा उल्लंघन है। इस कानून के तहत हर छात्र को स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली, खेल का मैदान, पुस्तकालय और आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना अनिवार्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो छात्रों का भविष्य प्रभावित होगा।शहर अध्यक्ष ने मांग की है कि नगर प्रशासन तुरंत मीटर कनेक्शन जोड़ने के साथ-साथ शौचालय और पेयजल की सुविधा सुनिश्चित करे। उनका कहना है कि शिक्षा के साथ बच्चों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखना न केवल अनुचित है बल्कि उनके अधिकारों का हनन भी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि महानगरपालिका को बच्चों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस मामले पर त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। अभिभावकों ने भी आशंका जताई है कि यदि यह हालात जारी रहे तो बच्चों की पढ़ाई पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

शहर का 'आज़ाद मैदान' हुआ बंधक!

जनता से छीना मैदान,भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा आज़ाद मैदान

भिवंडी। भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगरपालिका एक बार फिर विवादों में घिर गई है। शहर के ऐतिहासिक और बहुप्रचलित कोटरगेट मस्ज़िद के पास स्थित आज़ाद मैदान को लेकर स्थानीय नागरिकों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता परमेश्वर संपतराव अंभोरे ने महानगर पालिका प्रशासन को दिए पत्र में आरोप लगाया है कि भ्रष्ट अधिकारियों और लोकप्रतिनिधियों ने नियमबाह्य तरीके से इस मैदान को निजी संस्थाओं को हस्तांतरित कर भारी भ्रष्टाचार किया है। आज़ाद मैदान न सिर्फ भिवंडी बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लिए भी व्यापारिक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र माना जाता है। यहाँ वर्षों से स्थानीय व्यापारी, नागरिक, खेल प्रेमी और विभिन्न सामाजिक संगठन अपने आयोजन करते रहे हैं। लेकिन आरोप है कि पालिका प्रशासन ने बिना किसी ठोस कारण और नियमों की अनदेखी करते हुए मैदान को निजी संस्थाओं को सौंप दिया, जिससे जनता को अपने अधिकार से वंचित होना पड़ा। अंभोरे ने कहा है कि मैदान का उपयोग अब तक सिर्फ सार्वजनिक कार्यक्रमों–जैसे खेल, व्यापारिक मेले और सांस्कृतिक आयोजन–के लिए होता आया है। शासन का निर्णय है कि किसी खेल मैदान अथवा गार्डन को अन्य प्रकार से उपयोग नहीं कर सकते हैं। ऐसे में इसे निजी हाथों में सौंपना न केवल अवैध है बल्कि जनहित के खिलाफ भी है। पत्र में यह भी उल्लेख है कि इस हस्तांतरण से प्रशासन को आर्थिक लाभ नहीं हुआ, उल्टा बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियां हुई हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि यह मैदान निजी संस्थाओं के कब्ज़े में चला गया तो आम जनता के लिए एकमात्र बड़ा सार्वजनिक स्थल छिन जाएगा। उन्होंने मांग की है कि मैदान को तत्काल महानगर पालिका की देखरेख में वापस लिया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो। फिलहाल पालिका प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन इस पूरे मामले ने शहर में राजनीतिक और सामाजिक हलचल तेज़ कर दी है।जनता अब निगम से पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रही है।

बृहन्मुंबई नगर निगम ने ऐतिहासिक बाणगंगा झील की सफाई की

पानी में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए छह पंपों से तालाब का पानी साफ किया गया।

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने मुंबई के वालकेश्वर क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक बाणगंगा झील में धार्मिक अनुष्ठानों के कारण जमा हुए निर्मल को निकालने के लिए लगातार तीन दिनों तक सफाई अभियान चलाया। इस अभियान में कुल 10 मीट्रिक टन निर्मल एकत्र किया गया। साथ ही, झील में मछलियों को पर्याप्त ऑक्सीजन प्रदान करने के लिए वातन प्रणाली के माध्यम से छह पंप लगाकर झील के पानी को साफ किया गया। इस पूर्ण सफाई को पूरा करने के लिए नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लगातार तीन दिनों तक कड़ी मेहनत की।

बृहन्मुंबई नगर निगम आयुक्त एवं प्रशासक श्री भूषण गगरानी, ??अतिरिक्त नगर निगम आयुक्त (शहर) डॉ. (श्रीमती) अश्विनी जोशी के निर्देशानुसार ऐतिहासिक बाणगंगा झील की सफाई की गई। उपायुक्त (ज़ोन एक) श्रीमती चंदा जाधव के नेतृत्व में नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लगातार तीन दिनों तक झील की सफाई की।

वालकेश्वर क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक बाणगंगा झील का प्रबंधन एक निजी संस्था द्वारा किया जाता है। पितृ पक्ष के दौरान, मुंबई के नागरिक पिंडदान के लिए बाणगंगा झील में एकत्रित होते हैं। इसी पृष्ठभूमि में, नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से लगातार अपील की थी कि वे धार्मिक अनुष्ठानों के बाद पिंडदान सामग्री निर्माल्य झील में न डालें। साथ ही, निर्माल्य और पिंडदान के लिए बाणगंगा झील के पास एक कृत्रिम झील का निर्माण किया गया था। निर्माल्य संग्रह के लिए दलाल और कचरा संग्रह के लिए कूड़ेदान रखे गए थे। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान इस कृत्रिम झील और दलाल का उपयोग करने की भी बार-बार अपील की थी।

नगर निगम प्रशासन पूरे पितृ पक्ष के दौरान नियमित रूप से झील की सफाई कर रहा था। प्रतिदिन झील से निर्माल्य निकाला जा रहा था। इस बीच, 21 सितंबर, 2025 को सर्वपितृ अमावस्या पर, मुंबई के नागरिक पिंडदान के लिए भारी भीड़ में एकत्रित हुए। झील क्षेत्र में ड्यूटी पर मौजूद नगर निगम के कर्मचारियों ने नागरिकों से झील में निर्माल्य और फूल-पत्तियाँ न फेंकने की अपील की। ??कर्मचारियों ने तुरंत झील की सीढ़ियों पर पड़े कचरे को उठाकर निर्माल्य कलश में एकत्र किया। फिर भी, कुछ नागरिक बाणगंगा पिंडदान करने के बाद सामग्री वहीं छोड़ गए। परिणामस्वरूप, झील अस्वच्छ हो गई। कचरा भी जमा हो गया। इसके कारण, नगर निगम के डी विभाग और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग ने झील की सफाई अभियान चलाया। रविवार, 21 सितंबर 2025 को कुल दस मीट्रिक टन कचरा, सोमवार, 22 सितंबर 2025 को 6 मीट्रिक टन, मंगलवार, 23 सितंबर 2025 को 2 मीट्रिक टन कचरा एकत्र किया गया। साथ ही, पूरे पितृ पक्ष झील क्षेत्र में नागरिकों की सुविधा के लिए मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था की गई।

इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि झील में मछलियों को अधिकतम ऑक्सीजन मिले, झील से लगातार तीन दिनों तक छह पंपों के माध्यम से पानी निकाला गया और वापस झील में छोड़ा गया। इससे पानी में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ गई है। साथ ही, झील की मछलियों को भी अब पर्याप्त ऑक्सीजन मिल रही है। नागरिकों को ऐतिहासिक बाणगंगा झील के महत्व को समझना चाहिए और इसमें कूड़ा-कचरा नहीं फेंकना चाहिए। साथ ही, नगर निगम प्रशासन धार्मिक अनुष्ठानों के बाद कृत्रिम झीलों, कूड़ादानों और कूड़ा-कचरा निपटान पाइपों का उपयोग करने की अपील कर रहा है।

पश्चिम रेलवे द्वारा छह जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष तौर पर त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से 06 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09061/09062 बांद्रा टर्मिनस - बरौनी (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09061 बांद्रा टर्मिनस बरौनी स्पेशल को 24 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09062 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 27 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09033/09034 उधना - बरौनी (द्वि-साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09033 उधना - बरौनी स्पेशल को 25 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09034 बरौनी - उधना स्पेशल को 27 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09041/09042 उधना - बलिया (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09041 उधना-बलिया स्पेशल को 27 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09042 बलिया-उधना स्पेशल को 28 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09067/09068 उधना-जयनगर (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09067 उधना-जयनगर स्पेशल को 23 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09068 जयनगर-उधना स्पेशल को 24 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09069/09070 उधना-समस्तीपुर (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09069 उधना-समस्तीपुर स्पेशल को 23 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर-उधना स्पेशल को 25 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09437/09438 गांधीधाम-सियालदह (साप्ताहिक) स्पेशल ट्रेन संख्या 09437 गांधीधाम-सियालदह स्पेशल को 12 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09438 सियालदह-गांधीधाम स्पेशल को 15 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09061, 09033, 09041, 09067, 09069 एवं 09437 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 26 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

आयआरसीटीसी, पश्चिमी क्षेत्र मुंबई में धूमधाम से मनाया गया 'हिंदी सप्ताह' कवि सम्मलेन रहा आकर्षण का केंद्र - लोंगों ने उठाया लुत्फ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आयआरसीटीसी, पश्चिमी क्षेत्र मुंबई में राष्ट्रव्यापी त्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत, 17 सितंबर 2025 को स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 की शुरुआत स्वच्छता शपथ के साथ हुई। स्वच्छता ही सेवा अभियान, जो हर साल 17 सितंबर से 2 2 अक्टूबर तक मनाया जाता है, 'समग्र समाज और समग्र सरकार' के दृष्टिकोण का उदाहरण है, जो स्वच्छता के संदेश को सामूहिक रूप से मज़बूत करने के लिए सभी स्तरों पर नागरिकों, संस्थानों और नेतृत्व को एक साथ लाता है।

आयआरसीटीसी, पश्चिमी क्षेत्र मुंबई के रीजनल कार्यालयों के विभिन्न कार्यस्थलों पर कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली और स्वच्छता के राष्ट्रीय मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आयआरसीटीसी, पश्चिमी क्षेत्र मुंबई में समूह महाप्रबंधक द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हिंदी सप्ताह का शुभारम्भ किया गया। दिनांक 14.9.2025 से 23.09.2025 तक हिंदी सप्ताह मनाया गया। हिंदी सप्ताह के दौरान हिंदी को बढावा देने के लिए मुंबई के जोनल कार्यालय में हिंदी निबंध प्रतियोगिता , हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता, हिंदी श्रुतलेखन प्रतियोगिता और हिन्दी प्रश्न मंच का आयोजन किया गया, जिसमें रीजनल कार्यालय ,भोपाल एवं अहमदाबाद के कर्मचारियों को मिलाकर लगभग 152 प्रतियोगियों ने भाग लिया । इसमें हर प्रतियोगिता के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले तीन कर्मचारियों को नकद पुरुस्कार प्रदान किये गए, इसके आलावा हर प्रतियोगिता के लिए 3 सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए । इन सभी कार्यक्रमों का आयोजन श्री नागेश चौधरी , प्रबंधक, मानव संसाधन की देख रेख में किया गया। हिंदी सप्ताह के आयोजन में श्री एम पी यादव , परामर्शदाता/ राजभाषा ने अहम् भूमिका निभाई है।

दिनांक 23.9.2025 को हिंदी सप्ताह के समापन समारोह के दौरान आयआरसीटीसी, पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय मुंबई में एक शानदार कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया । श्री गौरव झा, समूह महाप्रबंधक पश्चिमी क्षेत्र मुंबई ने लन्दन से पधारे अन्तराष्ट्रीय कवि डॉ ज्योति प्रकाश दुबेजी का शुभ संकेत सूचक प्लांट देकर स्वागत किया । इस अवसर पर लन्दन में हिंदी साहित्यकार समिति के अध्यक्ष, जाने माने वास्तु विद ,लेखक ,ज्योतिषाचार्य तथा अन्तराष्ट्रीय कवि डॉ ज्योति प्रकाश दुबेजी ने अपनी कविताओं , गज़लों और व्यंगों के माध्यम से लोंगों का दिल जीत लिया. श्री उमेश नायडू,श्रीमती सरस्वती अय्यर,श्री स्वप्निल आवले और डॉ ए के सिंह ने अपनी कविताओं के माध्यम से सभी का मन मोह लिया । इस अवसर पर श्री झा ने सरकारी कामकाज में हिंदी को अधिकाधिक बढावा देने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित किया और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरुस्कृत किया।

. स्वाति चिटनिस, सहायक प्रबंधक, मानव संसाधन ने कार्यक्रम का बखूबी संचालन किया।

अभिषेक का हो सकते हैं वनडे डेब्यू, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम में शामिल होने की उम्मीद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस समय अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। यह बाएं हाथ का बल्लेबाज मौजूदा एशिया कप 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी है, जिसने चार मैचों में 43.25 की औसत से 173 रन बनाए हैं। 25 वर्षीय इस स्टार को अब अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम में शामिल किए जाने की खबर है। भारत को ऑस्ट्रेलिया में तीन वनडे और उसके बाद पांच टी20 मैच खेलने हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली है। विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक ने छोटे प्रारूप में अपने प्रदर्शन से महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को प्रभावित किया है और टीम प्रबंधन उन्हें एकदिवसीय टीम में शामिल कर सकता है। अभिषेक को घंटों गेंदबाजी करते भी देखा गया और यही बात उन्हें गौतम गंभीर की भारतीय टीम के लिए एकदम उपयुक्त बनाती है।

पंजाब में जन्मे स्टार खिलाड़ी अभिषेक का लिस्ट ए मैचों में भी शानदार रिकॉर्ड है। 61 मैचों में, उन्होंने 35.33 की औसत और 99.21 के स्ट्राइक रेट से 2014 रन बनाए हैं। उन्होंने अपनी बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी से 38 विकेट भी लिए हैं। एशिया कप 2025 के सुपर 4 में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के मुकाबले में अभिषेक की निडर बल्लेबाजी ने प्रबंधन को उच्च दबाव की परिस्थितियों में भी उनकी क्षमता का भरोसा दिलाया।

गौर है कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अभिषेक और उनके बचपन के दोस्त शुभमन गिल ने शुरुआती विकेट के लिए सिर्फ 9.5 ओवर में 105 रन जोड़कर शानदार प्रदर्शन किया था, जिससे निर्णायकों को दबाव की परिस्थितियों में भी अभिषेक के प्रदर्शन की क्षमता का भरोसा हो गया। हालांकि, संभावना है कि अभिषेक को रिजर्व ओपनर के तौर पर टीम में शामिल किया जाएगा क्योंकि रोहित शर्मा और शुभमन गिल 50 ओवर के प्रारूप में भारत के लिए निर्धारित ओपनर हैं।

ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलेंगे अश्विन पाकिस्तानी खिलाड़ी के साथ होंगे एक ही टीम में

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब एक नए मंच पर अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं। आईपीएल और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने का ऐतिहासिक फैसला किया है। इससे लीग को भारतीय दर्शकों का जबरदस्त आकर्षण मिलने की उम्मीद है। लेकिन इस दौरान अश्विन के साथ पाकिस्तान के शादाब खान के साथ टीम में नजर आ सकते हैं और यह बात भारतीय फैंस को खल सकती है।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 39 वर्षीय ऑफ स्पिनर अश्विन आगामी सीजन में सिडनी थंडर की जर्सी पहनेंगे। वे यूएई में होने वाली आईएलटी20 लीग के बाद 4 जनवरी से टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे। फ्रेंचाइज़ी इस हफ्ते आधिकारिक घोषणा कर सकती है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने खुद अश्विन से संपर्क कर यह प्रस्ताव दिया। आईपीएल से रिटायरमेंट के बाद अश्विन फ्री एजेंट हो गए थे, जिससे यह सौदा संभव हो सका। आम तौर पर सक्रिय भारतीय खिलाड़ी विदेशी टी20 लीग में हिस्सा नहीं ले पाते, ऐसे में यह कदम ऐतिहासिक है।

अश्विन का अनुभव थंडर की गेंदबाजी को और धार देगा। टीम में पहले से क्रिस ग्रीन, टॉम एंड्रयूज और तनवीर संगा मौजूद हैं। अब अश्विन की मौजूदगी से सिडनी शो ग्राउंड जैसे स्पिन-अनुकूल मैदानों पर टीम की ताकत दोगुनी हो जाएगी। अश्विन सिडनी थंडर में पाकिस्तान के शादाब खान, न्यूज़ीलैंड के लोकी फर्ग्युसन और इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स जैसे सितारों के साथ खेलते नजर आएंगे। भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ियों का साथ मिलकर खेलना क्रिकेट फैंस के लिए रोमांचक अनुभव होगा।

16 जनवरी को एससीजी में सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ मुकाबला अश्विन के बीबीएल सफर का सबसे बड़ा आकर्षण बन सकता है। इस मैच में उन्हें पाकिस्तान के बाबर आज़म और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ जैसे बड़े बल्लेबाज़ों का सामना करना पड़ सकता है। बिग बैश में भारतीय खिलाड़ी की मौजूदगी भले ही दुर्लभ रही हो, लेकिन इससे पहले 2021-22 सीजन में उन्मुक्त चंद ने मेलबर्न रेनेगेड्स से खेला था। लेकिन तब वे अमेरिका के लिए खेलना शुरू कर चुके थे। अश्विन का कदम इसलिए ज्यादा बड़ा माना जा रहा है।

पीएफ का पैसा निकाल कर अगर किया दुरुपयोग

तो ईपीएफओ आपसे राशि भी वसूलेगा और दंडात्मक ब्याज भी लगायेगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। त्योहारों के इस मौसम में यदि आप भी बाजार से खरीददारी के लिए अपने पीएफ से पैसा निकालने की सोच रहे हैं तो सावधान हो जाइये। हम आपको बता दें कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने खाताधारकों को सावधान किया है कि वे अपने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) बचत को नियमों में निर्धारित उद्देश्यों के अलावा किसी अन्य कार्य के लिए न इस्तेमाल करें। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई सदस्य पीएफ राशि को ईपीएफस्कीम, 1952 में निर्धारित उद्देश्यों के अलावा निकालता है या गलत तरीके से उपयोग करता है, तो यह उल्लंघन माना जाएगा और ईपीएफओ को उस राशि की वसूली के साथ-साथ लागू दंडात्मक ब्याज लगाने का अधिकार होगा। हम आपको बता दें कि यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब ईपीएफओ 3.0 नामक नया डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च होने वाला है। इस अपग्रेडेड सिस्टम का उद्देश्य पीएफ सेवाओं को तेज़, पारदर्शी और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाना है, जिसमें एटीएम और यूपीआई के माध्यम से पीएफ राशि निकालने की सुविधा भी शामिल है। ईपीएफओ के अनुसार, सदस्य किसी भी अग्रिम का लाभ तभी उठा सकते हैं जब वे पात्रता और अधिकतम अनुमत राशि की शर्तों को पूरा करें। पूर्ण पीएफ राशि केवल सेवानिवृत्ति या दो महीने से अधिक बेरोजगारी की स्थिति में निकाली जा सकती है। आंशिक निकासी भी कुछ विशिष्ट कारणों के लिए है। जैसे घर खरीदना, निर्माण या नवीनीकरण, बकाया ऋण का भुगतान, चिकित्सा आपात स्थितियाँ, बच्चों की शिक्षा, स्वयं या बच्चों की शादी। इन कारणों के लिए सदस्यों को अग्रिम लेने के लिए कोई दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।

सूर्यवंशी ने तोड़ा सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड

शानदार 70 रनों की पारी में लगाए 6 छक्के

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 मैच में दर्शकों को मैदान पर खींच ला रहे हैं। आईपीएल 2025 के बाद सूर्यवंशी ने 24 सितंबर को ब्रिस्बेन के इयान हीली ओवल में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। ऐसा करते हुए उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट वन-डे में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पिछला रिकॉर्ड भारत के अंडर-19 विश्व कप 2012 विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और विकेटकीपर-

बल्लेबाज संजू सैमसन क्रमशः 30 और 22 छक्कों के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी के अब 10 मैचों में 41 छक्के हो गए हैं। वह एकदिवसीय क्रिकेट में लगभग 13 गेंदों पर एक छक्का लगाते हैं। मैच में सूर्यवंशी ने धीमी शुरुआत के बाद तेज गति पकड़ी। पिछले मैच में 33 रनों की छोटी पारी खेलने के बाद सूर्यवंशी की शुरुआत धीमी रही क्योंकि उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान आयुष म्हात्रे दो गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। सूर्यवंशी ने चौथे ओवर में अपना पहला चौका लगाया। एक समय वह 29 गेंदों पर 10 रन बनाकर खेल रहे थे।

नौवें ओवर में जॉन जेम्स को मैदान पर उतारा गया और सूर्यवंशी ने उन्हें बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर छक्का जड़ा। 12वें ओवर में सूर्यवंशी ने हेडन शिलर की गेंद पर दो छक्के लगाए।

हर महीने 5, 500 नौकरियों पर संकट के बादल, भारत पर सबसे बड़ा असर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीज़ा के लिए आवेदन शुल्क 1, 00, 000 कर दिया है, जिससे हर महीने करीब 5, 500 नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। जेपी मॉर्गन के अर्थशास्त्री अबिएल राइनहार्ट और माइकल फेरोली के अनुसार यह टेक कंपनियों और भारतीय कर्मचारियों पर सबसे अधिक असर डालेगा। वित्त वर्ष 24 में एच-1बी अप्रूवल्स में लगभग दो-तिहाई कंप्यूटर से जुड़े रोल और आधे पेशेवर, वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाओं के लिए थीं। अप्रूव किए गए वीज़ा में 71इ भारतीय नागरिक थे। पिछले साल 1, 41, 000 नए ए-1ँ आवेदन स्वीकृत हुए, जिनमें से 65, 000 का निपटारा विदेश से हुआ था। रेवेलियो लैब्स की वरिष्ठ अर्थशास्त्री लोजजैना अब्देलवाहेद ने कहा कि इतनी भारी शुल्क वृद्धि एच-1बी सिस्टम को 'व्यावहारिक रूप से खत्म' कर सकती है, जिससे सालाना लगभग 1, 40, 000 नौकरियां प्रभावित होंगी। अमेरिकी श्रम बाजार पहले ही धीमा है, औसतन पिछले तीन महीनों में 29, 000 पेरोल्स प्रति माह जुड़ी हैं। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने इस नीति की आलोचना की, कहा कि यह टेक-ड्रिवेन अर्थव्यवस्था के लिए 'अनिश्चितता और अप्रत्याशिता' बढ़ाता है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका कार्यालय देख रहा है कि क्या नया शुल्क प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियम का उल्लंघन करता है। एच-1बी वीज़ा प्रोग्राम अमेरिकी टेक, फाइनेंस और कंसल्टिंग कंपनियों के लिए कुशल विदेशी कर्मचारियों को लाने का अहम जरिया है। इस नई फीस के बाद कंपनियों को तय करना होगा कि वे महंगी फीस चुकाकर विदेशी टैलेंट रखें या घरेलू हायरिंग बढ़ाएं।

शेयर बाजार लाल निशान पर बंद, सेंसेक्स-निफ्टी लुढ़के

मुंबई **(एजेंसी)**। सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी एच-1बी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी और विदेशी पूंजी निकासी से बाजार में गिरावट आई है। बीएसई सेंसेक्स 386.47 अंक की गिरावट के साथ 81, 715.63 अंक पर और एनएसई निफ्टी 112.60 अंक फिसलकर 25, 056.90 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एक्सिस बैंक, टाइटन और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरावट में रहे। दूसरी ओर ट्रेंट, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर में बढ़त दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी तथा जापान का निक्की नुकसान में रहे जबकि चीन का शंघाई एसएसई और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.28 प्रतिशत चढ़कर 67.82 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3, 551.19 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

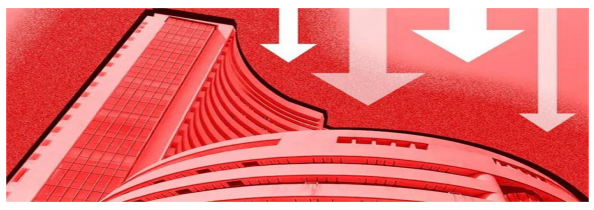

प्रसिद्ध कृष्णा के लगी सिर में लगी चोट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान हादसा

लखनऊ **(एजेंसी)**। भारत ए के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को आज ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे मैच के दौरान सिर में चोट लग गई, जिसके बाद बाकी बचे मैचों के लिए यश ठाकुर को कन्कशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान में उतारा गया। यह घटना मैच के दूसरे दिन हुई जिससे वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत ए की पारी के 39वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ए के तेज गेंदबाज़ हेनरी थॉर्नटन की गेंद कृष्णा के हेलमेट पर लगी, जब वे बाउंसर को पुल करने की कोशिश कर रहे थे।

चोट लगने के बाद कृष्णा का अनिवार्य कन्कशन असेसमेंट हुआ और उन्होंने शुरुआत में अपनी पारी जारी रखी। हालांकि, 42वें ओवर के बाद वे ड्रेसिंग रूम वापस चले गए और उनकी जगह मोहम्मद सिराज क्रीज पर आए। भारत ए की पारी आगे बढ़ने पर सिराज के आउट होने के बाद गुरनूर बरार 11वें नंबर पर आए। जब साई सुदर्शन आउट हुए तो यश ठाकुर को कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों के तहत अंतिम एकादश में कृष्णा की जगह आधिकारिक तौर पर शामिल किया गया।

भारत ए पहली पारी में 194 रन पर आउट हो गई और ऑस्ट्रेलिया ए के 420 रनों के विशाल स्कोर से पीछे रह गई। दूसरे दिन स्टंप्स के समय ऑस्ट्रेलिया ए ने अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 16 रन बनाए थे और मैच में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी। कृष्णा की चोट की गंभीरता की अभी पुष्टि नहीं हुई है। भारत के चयनकर्ता 2 अक्टूबर से शुरू हो रही वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम को अंतिम रूप देने के लिए आज बैठक करने वाले हैं। कृष्णा जसप्रीत बुमराह, सिराज और आकाश दीप के साथ तेज गेंदबाजी विभाग के दावेदारों में शामिल हैं। इन गेंदबाजों ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के पांच टेस्ट मैचों के दौरे के दौरान भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण का आधार बनाया था, जहां कृष्णा ने तीन मैचों में 37.07 की औसत से 14 विकेट लिए थे। वर्तमान भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए श्रृंखला अगस्त के पहले सप्ताह में इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद से कृष्णा का पहला प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन है। पहले मैच में उन्होंने 21 ओवर में 90 रन देकर एक भी विकेट नहीं लिया था और दूसरे मैच की पहली पारी में उन्होंने 17 ओवर में 76 रन देकर 1 विकेट लिया था।

फोनपे ने आईपीओ की मंजूरी मांगी सेबी को गोपनीय मार्ग से सौंपे दस्तावेज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। डिजिटल भुगतान प्रदाता फोनपे ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं।

कंपनी के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि फोनपे लिमिटेड ने 'प्री-फाइलिंग' गोपनीय मार्ग के जरिये आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। प्रवक्ता ने हालांकि आईपीओ के आकार का खुलासा करने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने जून में 'पीटीआई-भाषा' को बताया था कि सार्वजनिक पेशकश में सहायता के लिए कंपनी ने कोटक महिंद्रा कैपिटल, जेपी मॉर्गन चेस, सिटीग्रुप और मॉर्गन स्टेनली को शामिल किया है।

'मेरे अब्बा! आप हमेशा मेरे दिल में, सोहा-सबा पटौदी ने पिता मंसूर को पुण्यतिथि पर किया याद

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान और ज्वेलरी डिजाइनर सबा पटौदी ने अपने दिवंगत पिता, क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए अपने सोशल मीडिया मंच पर तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की। मंसूर का 70 वर्ष की आयु में फेफड़ों के संक्रमण के कारण 22 सितम्बर 2011 को निधन हो गया था। सोहा ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इस फोटो में उनके दिवंगत पिता की एक फोटो फ्रेम थी, जिसके पास मोमबत्तियां रखी हुई थी। उनकी तस्वीर में एक नोट भी था, जिसमें लिखा था, मिस्टर टाइगर के लिए। हैप्पी बरसी! मैं आपसे प्यार करती हूं! आप बहुत मजेदार, खुशमिजाज, मस्त-मौला और बड़े दिल वाले हैं! उनकी पोस्ट का कैप्शन था, आज और हमेशा। मेरे अब्बा। टाइगर पटौदी के नाम से मशहूर, वह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान थे और उन्हें 2001 में सी. के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड भी मिला था, जो बीसीसीआई द्वारा किसी पूर्व खिलाड़ी को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। सबा ने भी अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, मेरे दिल में हमेशा और हमेशा के लिए। आज मैं आपको याद कर रही हूं और यकीन नहीं कर पा रही हूं कि इतने साल बीत गए। मैं महसूस कर सकती हूं कि आप मुझे देख रहे हैं, मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं और मेरी रक्षा कर रहे हैं। टाइगर के नाम से मशहूर मंसूर का 22 सितंबर, 2011 को फेफड़ों के गंभीर संक्रमण से निधन हो गया। 70 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। 21 वर्ष की आयु में वे भारतीय टीम के सबसे युवा कप्तान थे। उनके पिता, भोपाल के नवाब, इफ्तिखार अली खान पटौदी भी एक प्रसिद्ध क्रिकेटर थे। 1966 में, मंसूर ने शर्मिला टैगोर से शादी की। उनके तीन बच्चे हैं - सैफ अली खान, सबा अली खान और सोहा अली खान।

यामी गौतम की फिल्म हक़ में दिखेगी शाहबानो की न्याय की लड़ाई, मुस्लिम महिलाओं के अधिकार पर बहस तेज

इमरान हाशमी और यामी गौतम अभिनीत आगामी फिल्म 'हक़' का टीज़र को रिलीज़ हो गया। यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में शाह बानो की कहानी बयां कर रही है। जिन्होंने अपने पति द्वारा छीने जा रहे समान अधिकारों के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था। यामी गौतम धर अभिनीत 'हक़' के टीज़र ने 1985 के शाह बानो मामले के फैसले को सुर्खियों में ला दिया है। अभिनेत्री यामी गौतम फिल्म में शाज़िया बानो नाम की एक लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो शाहबानो का एक काल्पनिक संस्करण है। इस कोर्टरूम ड्रामा में इमरान हाशमी भी हैं, जो फिल्म में विरोधी पक्ष और धर के पति की भूमिका निभा रहे हैं।

टीज़र में इमरान हाशमी, यामी गौतम से कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि अगर वह एक सच्ची मुसलमान और एक नेक और वफ़ादार पत्नी होतीं, तो ऐसा कभी नहीं कहतीं। इस पर यामी गौतम जवाब देती हैं, 'मैं तो बस शाज़िया बानो हूँ। हमारी लड़ाई सिर्फ़ एक ही चीज़ के लिए हैः हमारे हक़ के लिए।' बाद में, वह न्याय के लिए अदालत जाती हैं, जहाँ उन्हें काज़ी से सलाह लेने के लिए कहा जाता है, जिस पर वह जवाब देती हैं, 'अगर किसी का खून हमारे हाथों पर हो, तो क्या तुम तब भी मुझसे यही कहोगे?' जज इमरान हाशमी से कहते हैं कि यह कोई निजी मामला नहीं है। पूरा देश इसमें शामिल होने वाला है। इसके बाद, इमरान और यामी सुप्रीम कोर्ट में आमने-सामने होते हैं। यामी गौतम कहती हैं, 'हम भारतीय महिलाएँ हैं, इसलिए कानून को हमारे साथ वैसा ही सम्मान से पेश आना चाहिए जैसा वह दूसरों के साथ करता है।' शाह बानो बेगम का विवाह मोहम्मद अहमद खान नामक एक वकील से हुआ था। वे 43 वर्षों तक साथ रहे और उनके पाँच बच्चे हुए। 1978 में, खान ने बेगम को साझा घर से निकाल दिया और बेगम ने दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 125 के अंतर्गत खान से भरण-पोषण के लिए आवेदन किया। शादी के 14 साल बाद, खान ने दूसरी शादी कर ली। वह कुछ समय तक दोनों पत्नियों के साथ रहे। हालाँकि, बाद में उन्होंने शाह बानो और उनके बच्चों को घर से निकाल दिया और उन्हें अलग घर में रहने के लिए कहा। जब खान ने उन्हें 200 रुपये प्रति माह देने का वादा किया था, तो शाह बानो ने अदालत का दरवाजा खटखटाया और दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 123 के तहत अपने और अपने पाँच बच्चों के लिए भरण-पोषण की माँग की।

'आयुर्वेद लोगों और ग्रह के लिए' शीर्षक से संगोष्ठी

NIMA और विश्व आयुर्वेद मिशन ने मनाया 10वां आयुर्वेद दिवस

आयुर्वेद एक वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन बन गया है - डॉ. जी.एस. तोमर

मिर्जापुरः राष्ट्रीय एकीकृत चिकित्सा संघ मिर्जापुर और विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, प्रवेक कल्प के सौजन्य से, स्थानीय एक होटल में 10वां आयुर्वेद दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

मुख्य अतिथि मझवा विधायक सुचिस्मिता मौर्य, विशिष्ट अतिथि अपर संभागीय आयुक्त डॉ. विश्राम, तथा विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जी.एस. तोमर ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्वलन और भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

सुचिस्मिता मौर्य ने कहा कि आयुर्वेद की प्रासंगिकता विशेष रूप से विपत्ति के समय में स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, प्रकृति से प्राप्त होने के कारण, स्वाभाविक रूप से पारिस्थितिक संतुलन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को बढ़ावा देने से न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य में बल्कि विश्व के सतत और संतुलित विकास में भी योगदान मिलेगा। उन्होंने चिकित्सा और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में नीमा मिर्जापुर द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) जी.एस. तोमर ने कहा कि इस वर्ष का आयुर्वेद दिवस 'आयुर्वेद फॉर पीपल एंड प्लेनेट??' विषय पर केंद्रित है। यह इस बात पर ज़ोर देता है कि आयुर्वेद केवल एक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली नहीं है, बल्कि व्यक्ति और पर्यावरण के बीच सामंजस्य पर आधारित एक विज्ञान है। पिछले एक दशक में, आयुर्वेद दिवस एक राष्ट्रीय आयोजन से एक वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है और अब 150 से अधिक देशों में मनाया जाता है। 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस मनाना ऐतिहासिक है क्योंकि यह शरद विषुव के साथ मेल खाता है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के संतुलन का प्रतीक है।

डॉ. विश्राम ने कहा कि आयुर्वेद आज की दुनिया में मोटापा, मधुमेह और तनाव जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का समाधान प्रस्तुत करता है। उन्होंने दैनिक दिनचर्या और मौसमी दिनचर्या जैसे सिद्धांतों को स्थायी और निवारक स्वास्थ्य मॉडल बताया।

नीमा के जिला सचिव डॉ. मनोज कुमार सिंह ने नीमा द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. संजय मौर्य ने की।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. श्रीकांत रज्जक, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. कौशल्या मरीना, सर्जिकल सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आनंद विद्यार्थी ने वैज्ञानिक सत्र में अपने विचार साझा किए।

डॉ. डी.एल. श्रीवास्तव, डॉ. अफजल अहमद और नीमा के 12 संस्थापक सदस्यों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. बी.पी. शुक्ला, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. चंद्रप्रभा बरनवाल और डॉ. ए.के. सिंह को चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अवनीश पांडेय ने किया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अरविंद श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर डॉ. डी.एल. श्रीवास्तव, डॉ. एल.एम. सिंह, डॉ. रवि दुबे, डॉ. जे.के. सिंह सहित सभी क्षेत्रों के चिकित्सक उपस्थित थे। जयसवाल, डॉ. ओ.पी. बरनवाल, डॉ. राजेश मौर्य, डॉ. सी.एल. बिंद, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. अभय सिंह, डॉ. शोभना, डॉ. अदिति जैन, डॉ. रितेश श्रीवास्तव, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. सुनील गुप्ता, डॉ. सुनील पांडे, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ. टी.एन. द्विवेदी, डॉ. विवेक सिंह एवं गोवर्धन त्रिपाठी उपस्थित रहे।

पहलगाम हमले में एक और बड़ी गिरफ्तारी, लश्कर का आतंकी मोहम्मद कटारिया दबोचा गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले में 25 पर्यटकों के मारे जाने के पाँच महीने बाद, सुरक्षा एजेंसियों ने बुधवार को एक कश्मीरी व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट के आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान की थी। पुलिस ने कुलगाम निवासी 26 वर्षीय मोहम्मद यूसुफ कटारिया को आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उसे 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। ऑपरेशन महादेव के दौरान बरामद हथियारों के विश्लेषण के बाद कटारिया की गिरफ्तारी हुई है। सूत्रों ने बताया कि कटारिया, जो एक संविदा नौकरी करता था और स्थानीय बच्चों को पढ़ाता भी था, कुछ महीने पहले आतंकवादियों के संपर्क में आया और उनकी गतिविधियों में मदद करने लगा।

जाँच ??से पता चला कि उसने पहलगाम आतंकी हमले से महीनों पहले लश्कर समूह को कुलगाम के जंगली इलाकों से गुज़रने में मदद की थी। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से 25 पर्यटक थे। यह हमला 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में हुआ था। जाँचकर्ता पहलगाम हमलावरों की पिछली गतिविधियों, ठिकानों और जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के बाद से उन्हें मिले ओवरग्राउंड वर्कर की मदद का भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। जून में राष्ट्रीय जाँच एजेंसी ने घोषणा की कि उसने दो लोगों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने कथित तौर पर हमलावरों को आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी। दोनों की पहचान परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर के रूप में हुई, जिन्होंने हमले में शामिल तीन आतंकवादियों के नाम भी बताए।

जुलाई में, तीनों आतंकवादी लश्कर के शीर्ष कमांडर सुलेमान शाह, अफगान और जिबरान ऑपरेशन महादेव के तहत सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए। 22 अप्रैल के नरसंहार के बाद उन्हें शरण देने वालों ने उनकी पहचान पहलगाम हमलावरों के रूप में की। अगले ही दिन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून सत्र के दौरान संसद में बोलते हुए पुष्टि की कि मारे गए तीनों आतंकवादी वास्तव में पहलगाम के अपराधी थे और पाकिस्तान से थे।

बेनी माधव सिंह पीजी कॉलेज में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 150 छात्रों ने कराई दंत जांच

थरवई। माधव नगर, बिग़हिया स्थित बेनी माधव सिंह पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 150 छात्र-छात्राओं ने दंत परीक्षण कराकर लाभ उठाया। शिविर का संचालन डॉ. अंकित सिंह के निर्देशन में हुआ।

शिविर में महाविद्यालय की उपप्राचार्य डॉ. सीमा सिंह, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बबीता सिंह, कन्हैया कुमार यादव, श्री रामकलेश यादव, टबी0डी0 सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सत्यनारायण मिश्र, अनुपम पांडेय, सुजित यादव, डॉ. ज्ञान सिंह, डॉ. अरुण सिंह, विवेक शरण शर्मा, शेषनाथ यादव, श्री प्रशांत पांडेय, शिव प्रसाद शर्मा, देवेंद्र राम, अर्चना पांडेय, शालू पांडेय, अलका पांडेय कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. देवेंद्र विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारतः 100 से ज्यादा देशों को कर रहा निर्यात, डिफेंस एक्सपो में दिखी स्वदेशी ताकत

नई दिल्ली।भारत रक्षा के क्षेत्र में अपनी स्वदेशी ताकत के जरिए दुनियाभर में परचम लहरा रहा है। इसके तहत भारत अब रक्षा जरूरतों के लिए विदेशी कंपनियों पर निर्भर नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बन चुका है और दूसरे देशों को भी रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि डिफेंस एक्सपो 2025 में 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ, जो भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पहले हम विदेशी कंपनियों पर निर्भर थे,

लेकिन अब हम न सिर्फ आत्मनिर्भर हैं बल्कि दूसरे देशों को रक्षा उत्पाद सप्लाई भी कर रहे हैं।

100 से ज्यादा देशों को हो रहा निर्यात

भारत अब 100 से ज्यादा देशों को रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि यह दिखाता है कि हमने रक्षा क्षेत्र में कितनी तरक्की की है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) योजना के तहत कई स्टार्टअप्स सामने आए हैं। एक स्टार्टअप को नौसेना के लिए रोबोटिक सिस्टम बनाने का बड़ा ऑर्डर मिला है, जो जहाजों पर आग लगने की स्थिति में काम आएगा।

छोटे और मझोले उद्योगों को तकनीक की पहुंच अभी भी चुनौती

यह तकनीक फायरमैन की सुरक्षा और दक्षता दोनों को बढ़ाती है। हालांकि रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने माना कि छोटे और मझोले उद्योगों को तकनीक की पहुंच और प्रतिस्पर्धा में अभी भी चुनौतियां हैं। लेकिन अब ये शर्ईे बड़ी भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी कर रक्षा क्षेत्र में योगदान दे सकते हैं। अधिकारी ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' योजना काफी सफल रही है। इस साल देश में स्वदेशी रक्षा उत्पादन का टर्नओवर 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा है, जबकि निर्यात 23,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

देश को स्थाई विकास की ओर ले जा रहे हैं मोदीः प्रो.संजय द्विवेदी

भोपाल। साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, सांची में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पर केंद्रित दो किताबों 'मोदी युग-संसदीय लोकतंत्र का नया अध्याय' और 'अमृतकाल में भारत' पर पुस्तक के लेखक प्रो. संजय द्विवेदी से विशेष परिचर्चा हुई। सेवा पर्व -2025 के अवसर पर अधिष्ठाता प्रो. नवीन कुमार मेहता ने लेखक से संवाद किया।

भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक रहे प्रो. संजय द्विवेदी ने सवालों के जवाब में बताया कि उन्होंने 2014 के पहले ही एक लेख में कह दिया था कि देश के अगले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी होंगे। उन्होंने कहा कि अन्ना हज़ारे के आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, लोगों के अंदर उम्मीदों को जगाने वाले नेता बन गए, जिन्होंने सोशल इंजीनियरिंग को देश में धरातल पर उतारा है। श्री नरेंद्र मोदी ने भारत की छवि का निर्माण किया है और वो भारत के लोगों को स्थायी विकास की ओर लेकर गए हैं। प्रो. द्विवेदी से जब राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विषय में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि संघ को समझने के लिए दिमाग़ से ज़्यादा दिल की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि संघ का कोई विचार नहीं है, भारतीयता और हिंदुत्व का विचार ही संघ का विचार है। संघ विशुद्ध रूप से

आचरण पर चलता है।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि उपभोक्तावाद और आकांक्षावाद के कारण समाज दुखी हो रहा है। उन्होंने कहा कि गांधी जी का दर्शन था कि कम वस्तुएं उपयोग करो तो सुखी रहोगे। छात्रों से उन्होंने कहा कि वो सुधीर चंद्रा की लिखी किताब 'गांधी एक असंभव संभावना' ज़रूर पढ़ें जो कि गांधी जी की प्रार्थना सभाओं में उनके विचारों का विश्लेषण है। प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि हर पत्रकार की एक 'पोलिटिकल लाइन' होनी चाहिए लेकिन 'पार्टी लाइन' नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विचारधारा हर एक व्यक्ति की होनी चाहिए और इसमें कोई समस्या नहीं है। आज विचारधारा का नहीं होना संकट है। जब उनसे पूछा गया कि लोग आजकल कम पढ़-लिख रहे हैं तो उन्होंने कहा कि आज का दौर आवाज़, वीडियो और स्थानीय भाषाओं का है क्योंकि मोबाइल पर लोग कम समय में जानकारी जानना पसंद करते हैं। लेकिन किताबें भी भारत में बहुत पढ़ी और बेची जा रही हैं। भले ही मोबाइल कितना भी भटकाव क्यों न पैदा करे। उन्होंने कहा कि लोगों को मीडिया साक्षरता देना आवश्यक हो गया है।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. वैद्यनाथ लाभ ने लेखक को उनकी किताबों के सृजन के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने संस्कृत, पालि के ग्रंथों में भगवान बुद्ध के वर्णन पर भी प्रकाश डाला। इंटरव्यू के माध्यम से ही डीन प्रो. मेहता ने प्रो. संजय द्विवेदी का परिचय भी कराया। छात्रों-अधिकारियों ने भी उनसे सवाल पूछे। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री विवेक पाण्डेय ने किया। उन्होंने सेवा पर्व के आयोजन के लिए मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति मंत्री श्री धर्मेंद्र लोधी व अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला को भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवा पर्व के उपलक्ष में ही विश्वविद्यालय द्वारा 29 सितंबर को दोपहर 11 बजे से 2 बजे तक एक राष्ट्रीय चित्रकारी प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है जिसमें सभी आयु वर्ग के लोग हिस्सा ले सकते हैं। अलग-अलग आयु वर्ग में प्रथम पुरस्कार 7000, 5000 और 3000 रखे गए हैं।

यूएन में शिकायतों का पिटारा लेकर पहुंचे ट्रंप, मेजबान-मेहमान सब पर बरसे एक समान, कोई नहीं उनसा महान

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भाषण एक बार फिर विवादों में रहा। उन्होंने यूक्रेन युद्ध पर दुनिया को कठघरे में खड़ा किया भारत, चीन और यूरोप को खुलकर ललकारा कि वे रूस से तेल खरीदकर युद्ध को चला रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने नाटो को लेकर भी बड़ा सवाल उठा दिया। खासतौर पर नाटो देशों को जमकर खरी खोटी सुनाई। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देने के लिए ट्रंप पहुंचे उससे पहले उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। एक्सीलेटर बीच में बंद हो गया। टेलीप्रॉम्टर चलते चलते रूक गया। हालांकि किसी तरह जब भाषण देने पहुंचे तो उन्होंने यूएन पर ही सवाल खड़े कर दिए। यूएन की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए और भारत-चीन का भी जिक्र किया। यूएनजीए के मंच पर ट्रंप ने विश्व नेताओं से कहा कि मुझे बिना टेलीप्रॉम्प्टर के यह भाषण देने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि टेलीप्रॉम्प्टर काम नहीं कर रहा है। फिर उन्होंने मज़ाक में कहा कि मैं बस इतना कह सकता हूँ कि जो भी इस टेलीप्रॉम्प्टर को चला रहा है, वह बड़ी मुसीबत में है। कुछ ही मिनटों में उन्हें छपे हुए नोट्स पढ़ते हुए देखा गया। ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र से मुझे ये दो चीज़ें मिलीं: एक खराब एस्केलेटर और एक खराब टेलीप्रॉम्प्टर। बहुत-बहुत शुक्रिया।

भारत-पाक समेत 7 जंग रुकवाने का दावा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत-पाक समेत 7 जंग रुकवाने का दावा किया। राष्ट्रपति पद के अपने दूसरे कार्यकाल में पहली बार इस महासभा में बोल रहे ट्रंप ने यूएन पर तंज कसते हुए कहा कि ये 7 जंग रुकवाने की जिम्मेदारी उसकी थी, लेकिन मैंने ये सभी जंग खत्म कराई। ट्रंप ने माना कि यूक्रेन जंग खत्म कराना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने इस जंग में भारत और चीन पर रूस को फंड करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि चीन और भारत रूसी तेल खरीदकर यूक्रेन जंग में प्राइमरी फंड रेजर हैं। ट्रंप ने कहा कि नाटो देशों ने रूस के एनर्जी प्रॉडक्ट्स पर ज्यादा रोक नहीं लगाई है, यह शर्मनाक है। वे अपने ही खिलाफ युद्ध की फंडिंग कर रहे हैं।

काठमांडू हवाई अड्डे पर भारतीय नागरिक से 800 ग्राम से अधिक सोना बरामद, गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से एक भारतीय नागरिक को गुदा में सोना छिपाकर तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि हवाई अड्डे के आगमन परिसर में मंगलवार को सुरक्षा जांच के दौरान रौनक मदानी (48) का व्यवहार संदिग्ध प्रतीत हुआ। नेपाल पुलिस मुख्यालय के समाचार बुलेटिन के अनुसार, मदानी को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका एक्स-रे किया गया जिसमें पता चला कि उसने अपनी गुदा के अंदर सोने के तीन पैकेट छिपा रखे हैं।

पुलिस ने बताया कि तीनों पैकेट में कुल 835 ग्राम सोना था। मदानी विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ान से मुंबई से

काठमांडू पहुंचा था। पुलिस ने मामले की जांच के लिए उसे हवाई अड्डे के सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया है।

शहर खाली, फ़्लाइटें बंद, मचा हाहाकार! आ गया साल का सबसे बड़ा तूफान रागासा

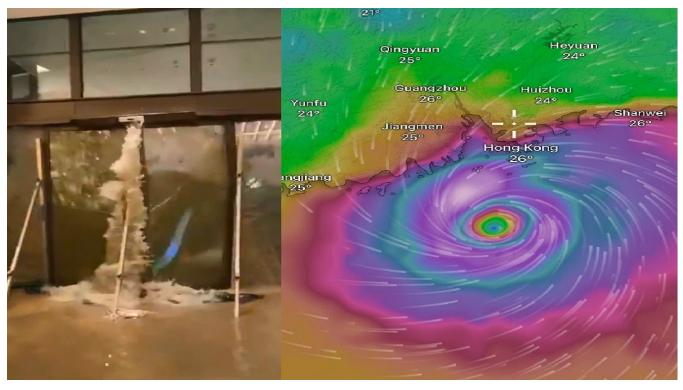

बीजिंग। पिछले दो दिनों में सुपर टाइफून रागासा के कारण ताइवान और फिलीपींस में भारी तबाही मचने के बाद दक्षिणी चीनी प्रांत ग्वांगडोंग से लगभग 20 लाख लोगों को निकाला गया है। अब तक मरने वालों की संख्या 15 हो गई। समाचार एजेंसी एपी ने राष्ट्रीय मौसम एजेंसी के हवाले से बताया कि यह तूफान पिछले कई वर्षों में सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक है। ये दोपहर से शाम के बीच चीनी शहरों ताइशान और झानजियांग के बीच दस्तक देगा। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बुधवार को अग्निशमन विभाग के हवाले से बताया कि सुपर टाइफून रागासा के दौरान पहाड़ों में एक बैरियर झील के उफान पर आने से एक शहर में बाढ़ आ गई, जिससे ताइवान के

पूर्वी काउंटी हुआलिएन में अब तक चौदह लोगों की मौत हो गई है, और 124 लोग लापता हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान के विभिन्न क्षेत्रों ने हुआलिएन में बचाव दल भेजे हैं, और सेना ने मदद के लिए 340 सैनिक भेजे हैं।

समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, बुधवार तड़के तूफ़ान तेज़ हवाओं और भारी बारिश के साथ हांगकांग पहुँचा और दक्षिणी चीनी तट पर जनजीवन ठप हो गया। दक्षिणी चीन के 10 से ज़्यादा शहरों में स्कूल, कारखाने और परिवहन सेवाएँ बंद कर दी गईं। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, तेज़ हवाओं ने हांगकांग में एक पैदल यात्री पुल की छत के कुछ हिस्से उड़ा दिए और पेड़ गिरा दिए। लगभग 13 घायल लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मकाऊ में एक व्यक्ति घायल हुआ। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, हांगकांग ने तूफ़ान का उच्चतम चेतावनी संकेत 10 जारी किया है और व्यवसायों और परिवहन सेवाओं को बंद करने का आग्रह किया है। बीबीसी की एक अपडेट के अनुसार, टाइफून रागासा ने गुआंग्डोंग तट की ओर बढ़ते हुए उत्तर की ओर रुख कर लिया है, तथा यह पूर्व अनुमान से पहले और अधिक उत्तर में पहुंचने वाला है। स्थानीय समयानुसार शाम 5:00 बजे (08:00 GMT) चीन के शेन्ज़ेन शहर में लॉकडाउन समाप्त हो गया। शेन्ज़ेन के आपदा निवारण प्राधिकरण ने एक बयान में कहा, 'तूफ़ान रागासा धीरे-धीरे कमज़ोर पड़ रहा है और हमारे शहर से दूर जा रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, हांगकांग वेधशाला ने बुधवार देर दोपहर कहा कि रागासा एक महातूफ़ान से कमज़ोर होकर एक गंभीर तूफ़ान में बदल गया है। मौसम विज्ञान सेवा ने कहा कि रागासा धीरे-धीरे हांगकांग से विदा हो रहा है, हालाँकि, क्षेत्र के कई स्थानों पर तूफ़ानी हवाओं के साथ खतरा बना हुआ है।

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)